www.dainik jayant news.com
देहरादून (गैरसैंण),
बुधवार : 13 मई 2026
वर्षः 17
अंकः 22 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

दुनिया के सबसे ऊंचे कृष्ण मंदिर का ट्रैक खुला

बर्फ कम होते ही पहुंचने लगे श्रद्धालु

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर स्थित दुनिया के सबसे ऊंचे कृष्ण मंदिर (युल्ला कांडा) का ट्रैक बर्फ पिघलते ही श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया गया है। रोरा घाटी में 12,778 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह दुर्गम मार्ग भारी बर्फबारी के कारण सर्दियों में बंद रहता है। श्रद्धालु युल्ला खास गांव से 12 किलोमीटर की कठिन चढ़ाई पूरी कर यहां पहुंचते हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, इस प्राचीन मंदिर और झील का निर्माण पांडवों ने वनवास के दौरान किया था। यहां की सबसे बड़ी खासियत किन्नौरी टोपी से जुड़ी परंपरा है। माना जाता है कि यदि श्रद्धालु झील में अपनी टोपी उल्टी कर तैराता है और वह बिना डूबे दूसरे किनारे पहुंच जाती है, तो उसकी मन्नत पूरी होती है। यह स्थान हिंदू और बौद्ध धर्म की आस्था का संगम भी है, जहां लामा भी विशेष पूजा-अर्चना करते हैं। मंदिर परिसर से पवित्र किन्नर कैलाश की पहाड़ियों के स्पष्ट दर्शन होते हैं। हर साल जन्माष्टमी पर यहां ऐतिहासिक मेला भी लगता है। प्रशासन ने आगाह किया है कि ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कमी और संकरे रास्तों के कारण यह ट्रैक जोखिम भरा है, इसलिए यात्री पूरी सावधानी के साथ ही यात्रा शुरू करें।

हिमंता दूसरी बार असम के सीएम, ली शपथ

2 बीजेपी और 2 सहयोगी दलों से मंत्री बने, सभी ने असमिया में शपथ ली, मोदी-शाह मौजूद रहे

गुवाहाटी (एजेंसी)। हिमंता बिस्वा सरमा लगातार दूसरी बार असम के मुख्यमंत्री बने हैं। असम के गवर्नर लक्ष्मण आचार्य ने गुवाहाटी के खानापारा वेटरनरी कॉलेज ग्राउंड में उन्हें पद और गोपनियता की शपथ दिलाई। हिमंता के अलावा 4 विधायकों भाजपा के रामेश्वर तेली, अजंता नेओम, AGP के अतुल बोरा, BPF के चरण बोरो ने मंत्री पद की शपथ ली है। इनमें दो बीजेपी और 2 सहयोगी दलों से हैं। शपथ कार्यक्रम में पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत बीजेपी-ठऊअ शासित राज्यों के सीएम और कई केंद्रीय मंत्री मौजूद रहे। हिमंता का पूरा परिवार भी कार्यक्रम में मौजूद रहा। बीजेपी नेता अजंता नेओग ने मंत्री पद की शपथ ली। बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट के नेता चरण बोरो ने असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की कैबिनेट में मंत्री पद की शपथ ली केंद्रीय मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने कहा कि लगातार तीसरी बार बीजेपी-ठऊअ की सरकार बनने जा रही है। यह हमारे लिए एक बड़ा दिन है। असम की जनता और NDA के लिए यह एक ऐतिहासिक दिन है। इस ऐतिहासिक अवसर का गवाह बनने के लिए पूरे राज्य से लोग

यहां आए हैं। त्रिपुरा के उट माणिक साहा ने कहा कि असम में भाजपा की सरकार बनने पर हम बहुत खुश हैं। BJP-NDA ने पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में चुनाव जीते हैं। हिमंता बिस्वा सरमा असम को विकास की राह पर आगे ले जाएंगे। गुवाहाटी में हिमंता बिस्वा सरमा के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने पहुंचे यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा- असम और वढ की जनता बहुत खुश है क्योंकि डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में असम में ठऊअ सरकार बनी है। इखढ राज्य के समग्र विकास के लिए काम करती है। असम भाजपा के अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा- यह तीसरी बार होगा जब ठऊअ सरकार प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में शपथ लेगी। शपथ ग्रहण समारोह के लिए असम के अलग-अलग हिस्सों से लाखों लोग यहां आए हैं। इखढ की ओर से, हम उन सभी का स्वागत करते हैं। हिमंता बिस्वा सरमा के परिवार के सदस्य शपथ ग्रहण समारोह के लिए खानापारा स्थित वेटरनरी कॉलेज मैदान में पहुंचे हैं। उनकी बेटी सुकन्या सरमा ने कहा कि यहां आकर हम बहुत खुश हूं। सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां ने कहा कि यह बहुत ही खुशी का पल है। टिपरा मोथा पार्टी के प्रमुख प्रद्योत बिक्रम माणिक्य देब बर्मा ने कहा- मुझे आज के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है।

नीट का पेपर लीक, परीक्षा रद्द, जांच सीबीआई को

एनटीए ने माना: हम जिम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पेपर लीक के आरोपों के बीच नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने मंगलवार को NEET (UG) 2026 परीक्षा रद्द कर दी है। यह परीक्षा 3 मई को हुई थी। 22.79 लाख स्टूडेंट्स ने परीक्षा दी थी। NTA डीजी अभिषेक सिंह ने कहा- इस गड़बड़ी के लिए हम जिम्मेदार हैं। परीक्षा दोबारा कराई जाएगी, 6-8 दिन में नई तारीख का ऐलान होगा। उधर, केंद्र सरकार ने इस मामले की जांच उइकको सौंप दी है। एजेंसी ने मामले में एफआईआर दर्ज की है। ठळअ ने बताया कि भारत सरकार की मंजूरी मिलने के बाद परीक्षा को रद्द करने का फैसला लिया गया। वहीं शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से दिल्ली में इस मामले में मीडिया ने सवाल पूछा तो वह बिना कुछ बोले निकल गए। NEET का पेपर क्वेश्चन बैंक के जरिए लीक किया गया। इसमें फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के 300 से ज्यादा सवाल थे। ये सभी हाथ से लिखे गए और इनकी हैंडराइटिंग भी एक ही थी। जांच एजेंसी पता लगा रही हैं कि आखिर यह पेपर लीक कहां से हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर में चीन-पाक के गठजोड़ का पदार्फाश

विदेश मंत्रालय ने कहा: हमारी जानकारी सच साबित हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्रालय ने ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान को मिले चीन के समर्थन पर एक बड़ी जानकारी दी। साथ ही उन्होंने देश की राजधानी दिल्ली में होने वाली ब्रिक्स (इफ्क्ळर) देशों के विदेश मंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक के बारे में बताया। इसके अलावा, भारत ने अपने पड़ोसी देशों, खास तौर पर बांग्लादेश और नेपाल के साथ अपने लगातार मजबूत होते रिश्तों पर भी खुलकर बात की। आइए, जानते हैं ऑपरेशन सिंदूर से लेकर बांग्लादेश और नेपाल पर भारत ने क्या-क्या कहा। एक रिपोर्ट में कहा गया कि ऑपरेशन सिंदूर के समय चीन ने पूरी तरह से पाकिस्तान की मदद की थी। इस गंभीर मुद्दे पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि हमने ये सारी रिपोर्ट देखी हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये नई रिपोर्ट सिर्फ उसी बात को सच साबित

करती हैं, जो बात भारत सरकार को पहले से ही अच्छी तरह से पता थी। इसका सीधा और साफ मतलब यह है कि भारत को चीन और पाकिस्तान की इस छिपी हुई मिलीभगत की पूरी जानकारी पहले से ही थी।भारत 14 और 15 मई 2026 को ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की एक बहुत ही बड़ी और अहम बैठक की मेजबानी करने जा रहा है। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर खुद करेंगे। इस बैठक में ब्रिक्स के सभी सदस्य और साझीदार देशों के विदेश मंत्री और उनके प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख हिस्सा लेने के लिए दिल्ली आएंगे।

यह भी तय हुआ है कि ये सभी बड़े नेता भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी खास मुलाकात करेंगे। बैठक के पहले दिन सभी देशों के विदेश मंत्री दुनिया और अपने क्षेत्र के अहम मुद्दों पर बहुत ही विस्तार से बातचीत करेंगे। इसके बाद दूसरे दिन एक खास सत्र का आयोजन होगा। इस सत्र का विषय ब्रिक्स एट 20, बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी रखा गया है। इसके बाद दुनिया की शासन व्यवस्था में सुधार लाने पर भी चर्चा होगी। बता दें कि इससे पहले ब्रिक्स देशों की आखिरी बैठक 26 सितंबर 2025 को संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान हुई थी। नेपाल के साथ भारत के संबंधों को लेकर भी विदेश मंत्रालय ने पूरी स्थिति साफ की है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है कि भारत और नेपाल के बीच कई तरह के गहरे और मजबूत रिश्ते हैं। ये रिश्ते केवल राजनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि व्यापार और संस्कृति से भी जुड़े हैं। जब नेपाल में चुनाव हुए और वहां नई सरकार का गठन हुआ, तो भारत के प्रधानमंत्री ने खुद वहां के नए नेता से फोन पर लंबी बात की थी। विदेश मंत्रालय ने यह भी अहम जानकारी दी कि नेपाल सरकार की

टीएमसी के आरोपों पर सीएम शुभेंदु अधिकारी का पलटवार

मनोज अग्रवाल की नियुक्ति पर दिया ये जवाब

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज अग्रवाल को राज्य का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। इस फैसले पर मुख्य विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने कड़ी आपत्ति जताई है। टीएमसी का सीधा आरोप है कि हालिया विधानसभा चुनाव में भाजपा का कथित तौर पर साथ देने का इनाम उन्हें दिया गया है। इन सब आरोपों के बीच पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने टीएमसी को जवाब दिया है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मनोज अग्रवाल की नियुक्ति का पर कहा कि मनोज अग्रवाल सिर्फ एक पूर्व सीईओ नहीं हैं, बल्कि वह राज्य के सबसे वरिष्ठ सिविल सेवक भी हैं। उन्होंने विरोधियों पर निशाना साधते हुए स्पष्ट किया कि अगर किसी को कोई परेशानी है, तो वह जाकर दूसरों से बात करे। सीएम ने बेहद सख्त लहजे में कहा कि भाजपा की सरकार पूरी तरह से कानून और नियमों के दायरे में रहकर काम कर रही है। मनोज अग्रवाल 1990

बैच के अनुभवी आईएएस अधिकारी हैं। प्रशासनिक नियमों के मुताबिक वरिष्ठता के आधार पर ही उन्हें मुख्य सचिव का यह अहम पद सौंपा गया है। भाजपा सरकार ने साफ कर दिया है कि वह विपक्ष के दबाव में नियमों से कोई भी समझौता नहीं करेगी। इस पूरी नियुक्ति पर टीएमसी के नेताओं का गुस्सा सातवें आसमान पर है। टीएमसी का गंभीर आरोप है कि मनोज अग्रवाल ने विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा के पक्ष में काम किया था। उनका कहना है कि जिस अधिकारी ने चुनाव निष्पक्ष तरीके से कराने की कसम खाई थी, उसे अब भाजपा सरकार में सबसे बड़ा और ताकतवर प्रशासनिक पद दे दिया गया। टीएमसी के सांसदों और कई बड़े नेताओं ने इसे पूरी तरह से गलत कहा।

पश्चिम एशिया संकट पर पवार बोले: पीएम मोदी सर्वदलीय बैठक बुलाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। शरद पवार ने मंगलवार को पश्चिम एशिया संकट पर पीएम नरेंद्र मोदी से सर्वदलीय बैठक बुलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हित के मामलों में सभी दलों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल करना जरूरी है। पवार ने पर लिखा- पीएम मोदी ने जनता से सोना न खरीदने और पेट्रोल-डीजल कम खर्च करने की अपील की है। इससे अर्थव्यवस्था पर लंबे समय तक असर पड़ सकता है। इन घोषणाओं से आम लोगों और कारोबारियों में बेचैनी बढ़ी है। ज्वेलरी काउंसिल का कहना है कि पीएम को उनसे बात

करनी चाहिए थी। पीएम की अपील से उनकी रोजी-रोटी पर असर पड़ेगा। दरअसल, पीएम मोदी ने लगातार दो दिन लोगों से ईंधन और संसाधनों का कम इस्तेमाल करने की अपील की। महाराष्ट्र स्वर्णकार सराफा महामंडल के अध्यक्ष पुरुषोत्तम कवाले ने कहा देशभर के ज्वेलर्स में चिंता बढ़ गई है। इतना बड़ा फैसला लेने से पहले ऑल इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी काउंसिल और महाराष्ट्र बोर्ड से चर्चा होनी चाहिए थी। सरकार को पहले हमारी राय लेनी चाहिए थी। कवाले ने कहा- अगर कारोबार बंद हुए तो जिम्मेदारी कौन लेगा? क्या सरकार इन लोगों को रोजगार देगी? ऐसी कोई गारंटी नहीं है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के गुजरात अध्यक्ष नैनेश पच्छीगर ने कहा कि हम देश के साथ हैं और ह्यनेशन फर्स्ट में भरोसा रखते हैं। लेकिन ज्वेलरी कारोबार से छोटे और मझोले स्तर के लाखों लोगों की रोजी-रोटी जुड़ी है।

मुख्यमंत्री विजय ने अपने ज्योतिषी को बनाया अपना ओएसडीए

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में नई राजनीति का युग शुरू हो चुका है। विजय ने शपथ लेने के बाद अपना कार्यभार संभाल लिया। इसी बीच उन्होंने अपने ओएसडी की नियुक्ति भी की। दरअसल उन्होंने इसके लिए किसी

सरकारी अफसर को नहीं, बल्कि अपने पारिवारिक ज्योतिषी को चुना है।सरकार की तरफ से एक आधिकारिक आदेश जारी किया गया है। इस सरकारी आदेश के अनुसार, मशहूर ज्योतिषी रिकी राधन पंडित वेट्रिवेल को मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय का विशेष कार्याधिकारी यानी ओएसडी (राजनीतिक) नियुक्त कर दिया गया है। आदेश में साफ तौर पर लिखा गया है कि 'थिरु रिकी राधन पंडित वेट्रिवेल की नियुक्ति उनके काम पर शामिल होने की तारीख से ही लागू मानी जाएगी।' इसके अलावा, इस आदेश में यह भी बताया गया है कि उनकी नौकरी की बाकी नियम और शर्तें बाद में अलग से जारी की जाएंगी। मुख्यमंत्री जोसेफ विजय के इस फैसले के पीछे एक बहुत ही खास वजह है। दरअसल, रिकी राधन पंडित वही ज्योतिषी हैं जिन्होंने करीब एक साल पहले ही यह एकदम सटीक भविष्यवाणी कर दी थी कि जोसेफ विजय सत्ता में आएंगे और मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठेंगे।

रिपोर्ट: पाकिस्तान ने ईरान के एयरक्राफ्ट छिपाने में मदद की

अमेरिका से बचाने के लिए एयरबेस पर रखा, पाक बोला: बातचीत के लिए आए थे

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने अमेरिका-ईरान संघर्ष के दौरान ईरानी सैन्य विमानों को अपने एयरबेस पर जगह दी। यह दावा CBS न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में किया है। रिपोर्ट में अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया गया कि अप्रैल में सीजफायर के ऐलान के कुछ दिन बाद ईरान ने कई विमान पाकिस्तान एयरफोर्स के नूर खान एयरबेस भेजे। रिपोर्ट में कहा गया है कि भेजे गए विमानों में ईरानी एयरफोर्स का फ्ठ-130 विमान भी शामिल था। यह लॉकहीड उ-130 हरक्यूलिस ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट का खुफिया और निगरानी मिशन वाला वर्जन माना जाता है। दूसरी तरफ पाकिस्तान ने भी माना है कि ये विमान उसके एयरबेस पर पहुंचे थे। विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा, पाकिस्तान में मौजूद ईरानी विमान युद्धविराम के दौरान आए थे और उनका किसी सैन्य अभियान से कोई संबंध नहीं है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ईरान ने कुछ नागरिक विमान अफगानिस्तान भी भेजे। एक अफगान सिविल एविएशन अधिकारी ने दावा किया कि माहान एयर का एक विमान युद्ध शुरू होने से पहले काबुल पहुंचा था। ईरानी एयरस्पेस बंद होने के बाद वह विमान काबुल एयरपोर्ट पर ही रुका रहा। मार्च में पाकिस्तान और तालिबान सरकार के बीच

तनाव बढ़ने पर काबुल एयरपोर्ट पर हमले की आशंका बनी। इसके बाद तालिबान के सिविल एविएशन अधिकारियों ने माहान एयर के विमान को सुरक्षा कारणों से ईरान सीमा के पास हेरात एयरपोर्ट भेज दिया। तालिबान के मुख्य प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने अफगानिस्तान में ईरानी विमानों की मौजूदगी से इनकार किया। पाकिस्तान एक तरफ खुद को अमेरिका के सामने मध्यस्थ और स्थिरता लाने वाले देश के रूप में पेश कर रहा है। वहीं दूसरी तरफ वह ईरान और चीन को नाराज करने से बचने की कोशिश कर रहा है। रिपोर्ट में बताया गया कि पिछले दशक में पाकिस्तान की चीन पर सैन्य निर्भरता काफी बढ़ी है। स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट की एक स्टडी के मुताबिक 2020 से 2024 के बीच पाकिस्तान के 80% बड़े हथियार चीन ने सप्लाई किए। पाकिस्तान की मध्यस्थता में ईरान और अमेरिका के बीच 11-12 अप्रैल को इस्लामाबाद में पहले दौर की बातचीत हुई थी। 21 घंटे तक यह वार्ता चलने के बावजूद नाकाम हो गई थी। दोनों के बीच होर्मुज स्ट्रेट पर कंट्रोल और न्यूक्लियर प्रोग्राम को लेकर सहमति नहीं बन पाई थी। ईरान ने रविवार को पाकिस्तान के जरिए अमेरिका को एक प्रस्ताव सौंपा था, जिसे ट्रम्प ने पूरी तरह खारिज कर दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्ताव में युद्ध खत्म करने, फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट में समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने, प्रतिबंध हटाने और परमाणु कार्यक्रम पर बातचीत की बात कही गई थी। ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ सीजफायर अब वेंटिलेटर पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका अब पूर्ण जीत चाहता है। दोनों देशों के बीच 8 अप्रैल को सीजफायर लागू हुआ था। उन्होंने कहा कि ईरान सोचता है कि अमेरिका दबाव में आ जाएगा या थक जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं होगा। ट्रम्प ने साफ किया कि वॉशिंगटन ईरान पर दबाव बनाए रखेगा और उसकी शर्तों पर समझौता नहीं करेगा।

स्टालिन बोले: सनातन धर्म को खत्म किया जाना चाहिए

यह लोगों को बांटता है; पहले डेंगू-मलेरिया बताया था, इस पर सुप्रीम कोर्ट ने फटकारा था

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के पूर्व डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि सनातन धर्म को खत्म किया जाना चाहिए। यह लोगों को बांटता है। उन्होंने पहले 2023 में भी सनातन को डेंगू, मलेरिया बताया था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मार्च 2025 में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई थी। उदयनिधि ने विजय के शपथ ग्रहण समारोह का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि तमिलनाडु के पारंपरिक तमिल आह्वान गीत ह्यतमिल थाई वाज्थु को कार्यक्रम में तीसरे स्थान पर रखा गया, जबकि परंपरा के

मुताबिक इसे प्राथमिकता मिलनी चाहिए थी। उदयनिधि ने कहा- हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। तमिलनाडु में किसी भी सरकारी कार्यक्रम में तमिल थाई वाज्थु को पहला स्थान मिलना चाहिए। दरअसल 10 मई को विजय के शपथ ग्रहण में सबसे पहले वंदे मातरम बजा। फिर जन गण मन बजा। इसके बाद तमिल राज्य गीत बजाया गया था। उदयनिधि स्टालिन ने 2 सितंबर 2023 को एक कार्यक्रम में सनातन धर्म के खिलाफ बयान दिया था। उदयनिधि ने कहा- सनातन धर्म मच्छर, डेंगू, फीवर, मलेरिया और कोरोना जैसा है, जिनका केवल विरोध नहीं किया जा सकता, बल्कि उन्हें खत्म करना जरूरी होता है। विवाद बढ़ने पर उदयनिधि ने कहा कि मैं हिंदू धर्म नहीं सनातन प्रथा के खिलाफ हूं। तमिलनाडु में पिछले 100 सालों से सनातन धर्म के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं। हम अगले 200 सालों तक भी इसके खिलाफ बोलना जारी रखेंगे। अतीत में कई मौकों पर अंबेडकर, पेरियार भी इसके बारे में बोलते रहे हैं। सनातन धर्म के कड़े विरोध के कारण ही महिलाएं घर से बाहर निकल सकीं और सती जैसी सामाजिक कुरीतियां समाप्त हुईं। उन्होंने कहा- वास्तव में, DMK की स्थापना ही उन सिद्धांतों पर हुई थी जो ऐसी सामाजिक बुराइयों का विरोध करते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 4 मार्च 2025 को उदयनिधि स्टालिन को फटकार लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि स्टालिन ने अधिकारों का गलत इस्तेमाल किया है। स्टालिन कोई आम आदमी नहीं है। उन्हें बयान के नतीजों के बारे में सोचना चाहिए था। CM विजय ने मंगलवार को 717 शराब की दुकानें बंद करने का आदेश दिया है।

जिलाधिकारियों की समीक्षा बैठक में सीईओ ने दिए विस्तृत निर्देश

देहरादून। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ बी.वी.आर.सी. पुरुषोत्तम ने मंगलवार को आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के दृष्टिगत सचिवालय में सभी जनपदों जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से तैयारियों के सम्बंध में समीक्षा बैठक की। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बैठक में निर्देश दिए कि सभी जनपद अपनी तैयारियों को अन्तिम रुप देते हुए, मैपिंग में तेजी लाएं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि फार्म 6,7 और 8 का दैनिक रुप से अनिवार्य रिव्यू कर उनका निष्पादन करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर तैयार एएसडी (ऐबसेंट, शिफ्टेड, डेथ) लिस्ट को राजनैतिक दलों के बीएलए को भी अनिवार्य रुप से साझा किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि आगामी एक सप्ताह में एएसडी सूची सभी बूथ लेवल एजेंट्स को उपलब्ध करा दी जाए। बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी जनपदों के गणना प्रपत्र के प्रिंटिंग, लॉजिस्टिक एवं डिस्ट्रिब्यूशन प्लान की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि आगामी एक सप्ताह में सभी जिलाधिकारी सम्बंधित नगर निगम क्षेत्रों के नगर आयुक्तों के साथ बैठक कर रकफ के प्लान को और प्रभावी बनाए। इसके साथ ही बीएलओ के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को और भी प्रभावी रुप से चलाया जाए।

बैठक में अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ. विजय कुमार जोगदंडे, संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रकाश चन्द्र दुम्का, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी किशन सिंह नेगी, सहायक मुख्य निर्वाचन अधिकारी मस्तू दास सहित सभी जनपदों के जिलाधिकारी वर्चुअल रुप से जुड़े रहे।

देश के विकास में प्रौद्योगिकी का अहम योगदान

देहरादून। यूकॉस्ट विज्ञान धाम झाझरा देहरादून में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन किया गया। परिषद के महानिदेशक प्रो दुर्गेश पंत ने उत्तराखंड राज्य में विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं नवाचार को राज्य के विकास के लिए बहुत आवश्यक बताया। साइंस सिटी देहरादून के सलाहकार डॉ जीएस रौतेला ने कहा कि देश के विकास में प्रौद्योगिकी का अहम योगदान है और नई जेनरेशन को इनोवेशन और पेंटेट पर विशेष ध्यान देने की अत्यंत आवश्यकता है। आईआईपी देहरादून के साथ चंपावत में संचालित पीरूल ब्रिकेट्स परियोजना पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया। मंजेश भट्ट ने परियोजना के सफल संचालन के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर यूकॉस्ट के संयुक्त निदेशक डॉ डी पी उनियाल, कार्यक्रम का संचालन यूकॉस्ट की वैज्ञानिक डॉ मंजू सुंदरियाल, डॉ भवतोष शर्मा ने किया।

कैंप में 40 लोगों ने किया रक्तदान

ऋषिकेश। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला क्लब एवं रोटरी दिवाज ऋषिकेश ने विश्व थैलेसीमिया दिवस पर रक्तदान शिविर आयोजित किया। जिसमें 40 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया। मंगलवार को राजकीय चिकित्सालय ऋषिकेश के रक्त केंद्र में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ उत्तराखंड महिला आयोग की अध्यक्षा कुसुम कंडवाल एवं नगर निगम ऋषिकेश के मेयर शंभू पासवान ने किया। कुसुम कंडवाल ने रक्तदान को मानवता की सबसे बड़ी सेवा बताया तथा सभी रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। मेयर शंभू पासवान ने कहा कि एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन देने का कार्य करता है और समाज के प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए।अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला क्लब की अध्यक्ष माधवी गुप्ता ने कहा कि शिविर का उद्देश्य थैलेसीमिया से पीड़ित मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना एवं समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस दौरान 40 से अधिक लोगों ने रक्तदान किया, जिन्हें प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

एम कॉम चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा शांति पूर्व संपन्न

नई टिहरी। धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय में पहले दिन एम कॉम चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा शांति पूर्वक संपन्न हो गई। परीक्षा प्रभारी डॉ. राजपाल रावत ने बताया के पहले दिन एम कॉम चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षा में परीक्षार्थी शत प्रतिशत उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो प्रणीता नंद ने बताया कि परीक्षाओं के सुचारू संचालन हेतु देव सुमन उत्तराखंड विवि के निर्देश पर महाविद्यालय में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई। इस मौके पर नताशा, डॉ. आराधना सक्सेना, डॉ. रंजीता जौहरी, डॉ. जितेंद्र नौटियाल, डॉ. मनोज फोंदणी, डॉ. केके बिष्ट, शिशुपाल, रमेश पुंडीर, अनूप नेगी आदि मौजूद रहे।

टीईटी की अनिवार्यता में मिले छूट

देहरादून। उत्तराखंड जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ की ओर से अपनी मांगों को लेकर जिला प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा गया। इसके माध्यम से 2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता में छूट देने की मांग को प्रमुखता से उठाया गया है। अध्यक्ष हुकुम सिंह तोमर ने बताया कि एनसीटीई के द्वारा 23 अगस्त 2010 को प्रारंभिक शिक्षकों को नियुक्ति की अर्हता निर्धारित की गई है। जिसमें टीईटी की अनिवार्यता का प्रावधान किया गया है। यह प्रावधान 23 अगस्त 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षक, शिक्षिकाओं पर बाध्यकारी नहीं हो, इसके लिए आरटीई एक्ट की धारा -23 (2) में संशोधन किया जाए।जब तक संशोधन नहीं हो जाता, तब तक इस संबंध में अध्यादेश लाया जाए। ताकि शिक्षक शिक्षिकाओं की पदोन्नति व सेवा संबंधित शर्तों पर किसी प्रकार की कठिनाई उत्पन्न नहीं हो। उन्होंने इस बिंदु पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने की अपील की है। इस दौरान हुकम सिंह तोमर, अनिता नेगी, अमिता रावत, सतीश घिल्डियाल, आरती शर्मा, अनिल डिमरी, सुरेंद्र मनवाल, शिवानी वर्मा आदि मौजूद थे।

चोरी के अदातन आरोपी को गुंडा एक्ट लगा तड़ीपार किया

देहरादून। चोरी के आदतन अपराधी को पुलिस ने गुंडा एक्ट लगाकर छह महीने के लिए तड़ीपार (जिला बदर) कर दिया है। पुलिस टीम ने आरोपी को यूपी के सहारनपुर की सीमा में छोड़कर हिदायत दी है कि वह तय अवधि तक देहरादून जिले की सीमा में कदम न रखे। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने बताया कि सभी थानों की पुलिस को आदतन अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई का निर्देश दिया गया है। इसके तहत डालनवाला कोतवाली निरीक्षक संतोष कुंवर ने संदीप उर्फ संजू पुत्र दिलीप कुमार, निवासी ओल्ड डालनवाला के खिलाफ गुंडा एक्ट की रिपोर्ट तैयार कर जिलाधिकारी कार्यालय को भेजी थी। रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए डीएम ने आरोपी को छह महीने के लिए जिला बदर करने के आदेश जारी किए। इसके बाद मंगलवार को पुलिस ने उसे जनपद की सीमा से बाहर छोड़ दिया। आरोपी के खिलाफ डालनवाला, रायपुर और प्रेमनगर थानों में चोरी और आर्म्स एक्ट के कुल 14 केस दर्ज हैं। आरोपी वर्ष 2017 से अपराध में सक्रिय है।

सुप्रीम कोर्ट में 21 से 23 अगस्त तक लगेगी विशेष लोक अदालत

देहरादून। सुप्रीम कोर्ट में लंबे समय से लंबित मुकदमों का अब आपसी सुलह-समझौते के जरिए जल्द निपटारा हो सकेगा। इसके लिए नई दिल्ली स्थित सुप्रीम कोर्ट में आगामी 21 से 23 अगस्त तक समाधान समारोह के तहत लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सीमा डुंगरकोटी ने बताया कि लोक अदालत में फौजदारी मामले, मोटर वाहन दुर्घटना क्लेम, चेक बाउंस, बैंक लोन व वसूली, दीवानी, वैवाहिक विवाद, बीमा दावे, शैक्षणिक, सेवा संबंधी मामलों सहित सरकारी और सार्वजनिक उपक्रमों के लंबित प्रकरण शामिल होंगे। जो वादकारी अपने मामलों का समाधान चाहते हैं, उन्हें 20 अगस्त तक मुकदमों को सुप्रीम कोर्ट में सूचीबद्ध कराना होगा। देहरादून जिले से जुड़े उन पक्षकारों को नोटिस भेजे जा रहे हैं जिनके मामले वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं।

लावारिस पशुओं से फसलें बर्बाद, किसान रातभर खेतों में दे रहे पहरा

चमोली। क्षेत्र में पिछले तीन-चार दिनों से लावारिस पशुओं के कारण किसानों की खड़ी फसलें बर्बाद हो रही हैं। इससे परेशान किसान अपनी फसलों की सुरक्षा के लिए रातभर खेतों में पहरा देने को मजबूर हो गए। गांव में घूम रहे घोड़े, खच्चर और लावारिस गाय लगातार फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ग्रामीण अजय कुमार, आराधना ने बताया कि पशु दिन-रात खेतों में घुसकर फसलें चर रहे हैं जिन्हें भगाने के लिए रात को खेतों में जाना पड़ रहा है। उन्होंने ग्राम प्रधान सोहन लाल और अन्य ग्रामवासियों से इस समस्या के शीघ्र समाधान की अपील की। आराधना ने सुझाव दिया कि आवारा पशुओं को पकड़कर गौशाला या सुरक्षित स्थान पर भेजा जाए।

बागनाथ धाम पहुंची विश्वनाथ-जगदीशिला डोली यात्रा

बागेश्वर। देवभूमि उत्तराखंड में पिछले 27 वर्षों से निरंतर संचालित विश्वनाथ-जगदीशिला डोली यात्रा इस वर्ष भी श्रद्धा और उत्साह के साथ प्रदेश भ्रमण पर निकली हुई है। यात्रा विभिन्न प्रमुख देवालयों का भ्रमण करते हुए धार्मिक एकता, विश्व शांति और उत्तराखंड की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत का संदेश दे रही है। मंगलवार को यात्रा की शुरुआत कोट भ्रामरी मंदिर से हुई।

मां अंबे इंस्टीट्यूट में धूमधाम से मनाया गया अंतरराष्ट्रीय नर्सेज दिवस

अल्मोड़ा। मां अंबे इंस्टीट्यूट में अंतरराष्ट्रीय नर्सेज दिवस उत्साह, उमंग और गरिमामय वातावरण के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से नर्सिंग पेशे की महत्ता और समाज के प्रति नर्सों के योगदान को रेखांकित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद छात्र-छात्राओं ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया। विद्यार्थियों ने प्रेरणादायक भाषणों और नर्सिंग सेवा पर आधारित लघु नाटिका के जरिए नर्सों की सेवा भावना, समर्पण और मानवता के प्रति उनके योगदान को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों की सराहना की। मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी प्रेमलता, मीनाक्षी, एकता, सुरजीत कौर और सुधा मौजूद रहीं। अतिथियों ने अपने संबोधन में कहा कि नर्सिंग केवल एक पेशा नहीं बल्कि मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि मरीजों की देखभाल में नर्सों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है और विपरीत परिस्थितियों में भी नर्सें पूरी निष्ठा और संवेदनशीलता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करती हैं। अतिथियों ने विद्यार्थियों को अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित रहने, अनुशासन बनाए रखने और सेवा भावना के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

बाजार में बंदरों का आतंक

नंदासैंण। बाजार में बंदरों का आतंक लगातार बढ़ रहा है, जिससे स्थानीय लोग, खासकर महिलाएं और बच्चे, भयभीत हैं। बंदर लोगों के हाथों से सामान छीन रहे हैं और उन पर झपट भी रहे हैं, जिससे बाजार में दहशत का माहौल है। स्थानीय दुकानदार रणबीर भंडारी ने बताया कि खरीदारी करने आने वाले लोग बंदरों के डर से परेशान हैं। बंदर खाने-पीने का सामान देखते ही अचानक झपट पड़ते हैं और कई बार काटने के लिए भी दौड़ते हैं। व्यवसायी मोहन सिंह ने जानकारी दी कि इस समस्या को लेकर प्रशासन और संबंधित विभाग को कई बार अवगत कराया गया है लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं निकला है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि वन विभाग बंदरों को पकड़कर क्षेत्र से दूर छोड़ने के बजाय आसपास ही छोड़ देता है जिसके चलते बंदर दोबारा बाजार और आबादी वाले क्षेत्रों में पहुंच रहे हैं।

ऋषिकेश में बरसी रिमझिम फुहारें, गर्मी से मिली राहत

ऋषिकेश। ऋषिकेश में एक बार फिर से मौसम का मिजाज बदल गया। मंगलवार सुबह तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हुई। जिससे गर्मी से परेशान लोगों को राहत मिली। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि यह बदलाव पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण देखा जा रहा है। मंगलवार सुबह से ही ठंडी हवाएं चलने के कारण मौसम सुहावना बना रहा। करीब सात बजे आसमान में काले बादल छाने के साथ बारिश शुरू हो गई। बीस मिनट तक बारिश होने के बाद सुबह दस बजे तक बादलों की आवाजाही का सिलसिला चला। इसके बाद आसमान से बादल छंटने के साथ धूप निकल आई। तेज धूप न निकलने और बारिश होने से तापमान में काफी गिरावट आई है, जिससे लोगों को गर्मी से बड़ी राहत मिली है। मंगलवार को दिनभर बाजार में चहल-पहल दिखी। अधिकतम तापमान 27 और न्यूनतम 22 डिग्री सेल्सियस पहुंचने के कारण लोगों को एक बार फिर सर्दी का अहसास भी होता दिखा। इन दिनों ऋषिकेश में विभिन्न स्थानों पर धार्मिक आयोजन हो रहे है। जबकि तीर्थयात्रियों की संख्या भी तेजी से बढ़ रही है।

आईटीबीपी के जवानों ने संभाली ट्रैफिक व्यवस्था

चमोली। बदरीनाथ धाम की यात्रा बढ़ने पर नगर में ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए आईटीबीपी के जवान भी पुलिस के साथ यातायात को व्यवस्थित करने में जुट गए । नगर में यात्रा के दौरान वन वे व्यवस्था लागू रहती है। बदरीनाथ धाम जाने वाले वाहन मारवाड़ी चौक से नृसिंह मंदिर होते हुए बदरीनाथ के लिए निकलते हैं, वहीं वापस आने वाले वाहन मुख्य बाजार से होकर आते हैं। ट्रैफिक नियमों का सही से अनुपालन करवाने के लिए आईटीबीपी के जवानों को भी तैनात किया गया है। मारवाड़ी चौक और बदरीनाथ स्टैंड के आसपास आईटीबीपी के जवान यातायात व्यवस्था को भी संभाल रहे हैं।

जनसमस्याओं के समाधान और विकास कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

बागेश्वर। जिला पंचायत अध्यक्ष शोभा आर्या की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला पंचायत की प्रथम बोर्ड बैठक आयोजित की गई, जिसमें वर्ष 2025-26 में स्वीकृत जिला पंचायत योजनाओं की प्रगति की व्यापक समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जिला पंचायत सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों से जुड़ी जनसमस्याओं, आधारभूत सुविधाओं की कमी तथा लंबित विकास कार्यों को प्रमुखता से उठाते हुए समाधान की मांग की। बैठक को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि बोर्ड बैठक में उठाए गए जनहित के मुद्दों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा विकास कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में जनता को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सवोच्च जिम्मेदारी है।बैठक में विशेष रूप से आपदा प्रभावित ग्रामीण सड़कों की मरम्मत, नाली निर्माण, डामरीकरण, कल्वर्ट एवं सुरक्षा दीवारों के निर्माण से जुड़े प्रस्तावों पर गंभीर चर्चा हुई। सदस्यों ने कई क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त संपर्क मार्गों और जल निकासी की समस्याओं का मुद्दा उठाया, जिस पर संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।

सीएम धामी ने कामाख्या देवी मंदिर में की पूजा-अर्चना

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आज गुवाहाटी (असम) में स्थित प्रसिद्ध कामाख्या देवी मंदिर में दर्शन एवं विधिवत पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने माँ कामाख्या से समस्त प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य के साथ-साथ देवभूमि उत्तराखंड की निरंतर प्रगति, विकास और खुशहाली के लिए प्रार्थना की।

बेटा पर्ची की लाइन में पिता की इमरजेंसी की सीढ़ी पर मौत

बागेश्वर। जिला अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचे एक व्यक्ति की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। घटना के बाद अस्पताल परिसर में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार 47 वर्षीय हरीश बिष्ट पुत्र हयात सिंह निवासी होराली बनलेख अपने बेटे के साथ उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि उनका बेटा पर्ची बनवाने के लिए लाइन में लगा था। इसी दौरान अचानक हरीश बिष्ट की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें खून की उल्टियां होने लगीं। अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने तत्काल उन्हें इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कर उपचार शुरू किया। डॉक्टरों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन अत्यधिक रक्तस्राव के चलते उनकी मौत हो गई।

रसोई गैस सिलिंडर के लिए गोदाम के बाहर लगी लंबी लाइन

चमोली। क्षेत्र में रसोई गैस संकट कम नहीं हो रहा है जबकि सबंधित इंडेन गैस एजेंसी लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में सिलिंडर वितरित कर रही है। इसके बाद भी लोग एजेंसी गोदाम में सुबह से सिलिंडर के लिए लाइन लगा रहे हैं। मंगलवार को भी इंडेन गैस एजेंसी के गोदाम के बाहर उपभोक्ताओं और सिलिंडर की लंबी लाइन लग गई हालांकि बाद में इंडेन गैस एजेंसी के कर्मियों ने उपभोक्ताओं को सिलिंडर भी दिए। प्रबंधक रजनी थपलियाल ने कहा कि सभी क्षेत्रों में सिलिंडर वितरित करने की व्यवस्था बनाई जा रही है।

बैंक शाखाओं के पास नहीं पार्किंग, इंतजाम ट्रैफिक हो रहा जाम

ऋषिकेश। नगर क्षेत्र में मुख्य मार्ग से लेकर आंतरिक सड़कों से लेकर गलियों तक बैंक शाखाओं का संचालन किया जा रहा है, लेकिन पार्किंग किसी भी शाखा के पास नहीं है, जिससे इन शाखाओं के ग्राहकों को मजबूरन वाहन फुटपाथ और सड़क पर पार्क करने पड़ते हैं। यह बेतरतीब वाहन बैंक शाखाओं की वजह से ट्रैफिक जाम का सबब बन रहे हैं। इन दिनों चारधाम यात्रा और पर्यटक सीजन चरम पर पहुंच रहे हैं। संकरे मुख्य मार्ग पर पहले स्लो ट्रैफिक और वीकेंड पर जाम की समस्या पैदा होती है, जिसमें बैक शाखाओं के बाहर सड़क पर पार्किंग भी अहम भूमिका निभा रही है। घाट चौक, दून तिराहा और चंद्रभागा तिराहे के पास ही तीन बैंकों की शाखाएं हैं, जिनमें हजारों की संख्या में ग्राहकों के खाते हैं, मगर ग्राहकों के लिए वाहन पार्किंग की सुविधा शाखा के पास नहीं है।

गरुड़ क्षेत्र की डाक व्यवस्था ध्वस्त

बागेश्वर। पर्वतीय अंचलों में पहले ही सरकारी व्यवस्थाओं की सुस्ती से जूझ रही जनता अब डाक विभाग की चरमराई व्यवस्था का दंश झेलने को मजबूर हो गई है। गरुड़ क्षेत्र के बनतोली स्थित डाकघर में पिछले करीब दस दिनों से पोस्टमैन के अभाव में संपूर्ण डाक व्यवस्था लगभग ठप पड़ चुकी है। स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है कि डाकघर के भीतर पत्रों, स्पीड पोस्ट और जरूरी दस्तावेजों का अंबार लगा हुआ है, लेकिन उन्हें लोगों तक पहुँचाने वाला कोई नहीं है। इस लापरवाही का सीधा खामियाजा क्षेत्रीय जनता को भुगतना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि डाकघर में कई महत्वपूर्ण दस्तावेज महीनों की प्रतीक्षा के बाद पहुँचते हैं, जिनमें बेरोजगार युवाओं के नियुक्ति पत्र, बैंक संबंधी दस्तावेज, सरकारी सूचनाएँ और अन्य जरूरी पत्र शामिल हो सकते हैं। ऐसे में समय पर डाक न मिलने से लोगों के भविष्य पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार करीब दस दिन पूर्व पंकज भट्ट नामक पोस्टमैन नौकरी छोड़कर चला गया था। उसके बाद से विभाग ने कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की। परिणामस्वरूप पूरा तंत्र "राम भरोसे" संचालित हो रहा है। लोगों का आरोप है कि देहरादून से भेजी गई स्पीड पोस्ट तक दस दिनों बाद भी प्राप्त नहीं हो सकी है, जिससे विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। जब इस पूरे मामले में बागेश्वर के सहायक डाक अधीक्षक अनिल प्रसाद से जानकारी ली गई तो उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा कि यह मामला उनके संज्ञान में ही नहीं था। अधिकारियों का यह जवाब स्वयं विभागीय निगरानी व्यवस्था की पोल खोलने के लिए पर्याप्त माना जा रहा है। स्थिति केवल बनतोली तक सीमित नहीं है। द्योनाई डाकघर की हालत भी कम चिंताजनक नहीं बताई जा रही। वहाँ के पोस्टमास्टर के अनुसार मार्च महीने से नेटवर्क समस्याओं के चलते कार्य सुचारू रूप से नहीं हो पा रहा है।

पूर्व सैनिकों की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दें: डीएम

अल्मोड़ा। जिला सैनिक कल्याण परिषद की बैठक में पूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं और उनके आश्रितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों को शासन की योजनाओं का लाभ समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराया जाए। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि पूर्व सैनिकों ने राष्ट्र सेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, इसलिए उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। उन्होंने संबंधित विभागों को लंबित मामलों के निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

मोरक्को में लापता अमेरिकी सैनिक का शव बरामद, दूसरे की तलाश जारी

मोरक्को , एजेंसी। मोरक्को में सैन्य अभ्यास के दौरान लापता हुए अमेरिकी सेना के अधिकारी फर्स्ट लेफ्टिनेंट केंड्रिक लेमोंट की तलाश का दुखद अंत हुआ है। उनका शव अटलांटिक महासागर के किनारे मिला। बताया जा रहा है कि केंड्रिक और उनके एक अन्य साथी छुट्टी के दौरान पहाड़ियों पर घूमने गए थे, जहां पैर फिसलने के कारण वे समुद्र में गिर गए थे। मोरक्को और अमेरिका की टीमें अभी भी लापता दूसरे सैनिक की तलाश में जुटी हैं। इस बड़े बचाव अभियान में 600 से अधिक जवान, हेलीकॉप्टर और ड्रोन लगाए गए हैं। हालांकि अफ्रीकन लायन सैन्य अभ्यास खत्म हो चुका है, लेकिन अमेरिकी सेना की एक टुकड़ी अभी भी मोरक्को में तैनात है ताकि दूसरे सैनिक का पता लगाया जा सके।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों की केन्या यात्रा, नए संबंधों की शुरुआत

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अपनी केन्या यात्रा शुरू कर दी है, जहां वह अफ्रीका फॉरवर्ड समिट में भाग लेंगे। इस शिखर सम्मेलन के जरिए फ्रांस अफ्रीका के साथ अपने पुराने औपनिवेशिक संबंधों को पीछे छोड़कर एक बराबरी की दोस्ती का संदेश देना चाहता है। पहली बार यह सम्मेलन किसी अंग्रेजी भाषी देश में आयोजित किया जा रहा है। इस दौरे के दौरान फ्रांस और केन्या ने परमाणु ऊर्जा, परिवहन और कृषि जैसे क्षेत्रों में 11 बड़े निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। दूसरी ओर, केन्या के विपक्षी नेताओं ने इस आयोजन की आलोचना की है। उनका कहना है कि केन्या में मानवाधिकारों और लोकतंत्र की स्थिति खराब है और यह सम्मेलन केवल एक दिखावा है।

भारतीय मूल के क्यू मणिवन्नन स्कॉटिश संसद सदस्य निर्वाचित

एडिनबर्ग , एजेंसी। स्कॉटलैंड के संसदीय चुनाव में भारत में जन्मे मानवविज्ञानी क्यू मणिवन्नन ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। खुद को नॉन-बाइनरी (लैंगिक पहचान में भ्रम) बताने वाले मणिवन्नन ने स्कॉटिश ग्रीन्स पार्टी के टिकट पर एडिनबर्ग और लोथियन ईस्ट से जीत हासिल की। तमिलनाडु के रहने वाले मणिवन्नन एक छात्र हैं। स्कॉटलैंड ने कम अवधि के वीजा वाले विदेशियों को भी चुनाव लड़ने की अनुमति दी है।

हथियार तस्करी में पाकिस्तानी नागरिक समेत तीन गिरफ्तार

ओटावा, एजेंसी। अमेरिका से कनाडा में 89 हथियार तस्करी करने के आरोप में एक पाकिस्तानी सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बरामद हथियारों में से 17 हथियार चोरी के हैं। न्यूयॉर्क राज्य पुलिस ने राजमार्ग पर चेकिंग के दौरान संदिग्ध जवाब मिलने पर संदिग्धों की तलाशी ली, जिसमें हथियारों का बड़ा जखीरा बरामद हुआ। आरोपियों की पहचान फैजान (पाकिस्तान), मलिक ब्रोमफील्ड (कनाडा) और कमल (जॉर्डन) के रूप में हुई है। फैजान के पास एक अन्य व्यक्ति का अवधि समाप्त ड्राइविंग परमिट भी मिला।

सिंगापुर के सांस्कृतिक उत्सव में भारतीय आमों की धमक

सिंगापुर , एजेंसी। सिंगापुर में आयोजित थ्रेड्स ऑफ इंडियन ट्रेडिशन उत्सव में भारतीय आमों के जरिये अनूठी ब्रांडिंग की गई। कार्यक्रम में प्रदर्शन करने वाले गायकों और नर्तकों को पुरस्कार के रूप में भारतीय आमों के डिब्बे भेंट किए गए। भारतीय उच्चायुक्त शिल्पक अंबुले ने कहा कि उच्चायोग की ओर से इस महीने का यह दूसरा मैंगो प्रमोशन इवेंट है। इससे पहले ईस्ट कोस्ट में आयोजित उत्सव में 6,000 से अधिक लोगों ने भारतीय आमों की 10 किस्मों का स्वाद चखा था।

जेल से अस्पताल पहुंचीं नोबेल विजेता नरगिस

तेहरान, एजेंसी। जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता और मानवाधिकार कार्यकर्ता नरगिस मोहम्मदी की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें तेहरान के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जेल में बेहोश होकर गिरने के बाद उनके परिवार ने लगातार उन्हें बेहतर इलाज दिलाने की मांग की थी, जिसके बाद प्रशासन ने जमानत पर उनकी सजा को अस्थायी रूप से रोकने का फैसला किया है। मोहम्मदी के फाउंडेशन का कहना है कि उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए केवल सजा का निलंबन काफी नहीं है, बल्कि उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों की देखरेख की जरूरत है। फाउंडेशन ने मांग की है कि उनकी 18 साल की बाकी सजा और सभी आरोपों को पूरी तरह से खत्म किया जाए ताकि उन्हें दोबारा जेल न लौटना पड़े।

त्रिनिदाद में बोले जयशंकर: गिरमिटिया को मिलेगा भारत का साथ

पोर्ट ऑफ स्पेन, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कैरेबियाई देश त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय मूल के लोगों के साथ भारत के गहरे होते संबंधों को रेखांकित किया। जयशंकर ने कहा कि ओवरसीज सिटिजनशिप ऑफ इंडिया (ओसीआई) योजना के प्रति विदेश में रह रहे भारतीय मूल के लोगों की रुचि लगातार बढ़ रही है और भारतीय उच्चायोग को बड़ी संख्या में आवेदन मिल रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिन लोगों के पास जरूरी दस्तावेज नहीं हैं, उनकी मदद के लिए भी प्रयास किए जाएंगे। जयशंकर ने त्रिनिदाद और टोबैगो की प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर के साथ ऐतिहासिक नेल्सन द्वीप का दौरा किया, जहां कभी गिरमिटिया भारतीय पहली बार पहुंचे थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जयशंकर ने 180 वर्ष पहले त्रिनिदाद और टोबैगो पहुंचे पहले भारतीय मजदूरों को याद किया। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में नया जीवन बसाने वाले भारतीय प्रवासियों की दृढ़ता, संकल्प और साहस को श्रद्धांजलि दी। जयशंकर ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से भारतीय प्रवासी समुदाय की छठी पीढ़ी तक ओसीआई कार्ड देने की घोषणा ने दोनों देशों के सांस्कृतिक और पारिवारिक रिश्तों को नई मजबूती दी है। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा, भारत की सहायता से नेल्सन द्वीप पर शुरू की गई क्विक इम्पैक्ट

प्रोजेक्ट साझा विरासत और ऐतिहासिक यात्रा को संरक्षित करने में मदद करेगी। जयशंकर 2 मई से 10 मई तक तीन देशों की यात्रा पर थे। दौरे के अंतिम दिन उन्होंने त्रिनिदाद और टोबैगो में भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की और दोनों देशों के सांस्कृतिक संबंधों की सराहना की।

गिरमिटिया समुदाय की विरासत संरक्षित करने का लगातार किया जा रहा प्रयास : जयशंकर ने कहा कि दोनों देशों के बीच हुआ अभिलेखीय सहयोग समझौता भारतीय मूल के लोगों को अपनी पैतृक जड़ों की पहचान करने और भारत में अपने परिवारों से दोबारा जुड़ने में मदद करेगा। भारत सरकार गिरमिटिया समुदाय की विरासत को संरक्षित करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। विदेश मंत्री ने कहा, ये प्रवासी अपने साथ भारतीय परंपराएं, आस्था और जीवन शैली लेकर आए थे, इसलिए इस इतिहास को विरासत स्थल के रूप में संरक्षित किया जाना महत्वपूर्ण है। समझौते से भारतीय मूल के लोगों को अपने पूर्वजों और भारत स्थित रिश्तेदारों की जानकारी प्राप्त करने में सहायता मिलेगी।

भारत की मदद से हुई कई परियोजनाओं की शुरुआत : जयशंकर ने अपनी यात्रा के दौरान कृषि प्रसंस्करण केंद्र की शुरुआत की और स्थायी कृत्रिम अंग केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर के साथ दक्षिण त्रिनिदाद में भारत की सीड्स पहल से संचालित एग्रो-प्रोसेसिंग सुविधा का संयुक्त रूप से लोकार्पण किया। जयशंकर ने कहा कि यह परियोजना लघु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र को मजबूती देगी और कृषि क्षेत्र को नई गति प्रदान करेगी।

जुलाई, 2025 में पीएम मोदी ने की थी यात्रा : पिछले साल जुलाई में पीएम मोदी ने त्रिनिदाद व टोबैगो की यात्रा के दौरान वहां के भारतीय मूल के लोगों की छठी पीढ़ी तक ओसीआई कार्ड की घोषणा की थी। इसे भारतीय प्रवासी समुदाय के साथ संबंध मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। बता दें कि 1845 से 1917 के बीच भारतीय उपमहाद्वीप से करीब 1.43 लाख मजदूर त्रिनिदाद पहुंचे थे, जिनमें अधिकांश उत्तर भारत व बिहार से थे। आज उनकी पांचवीं व छठी पीढ़ी देश की कुल आबादी का लगभग 40-45 प्रतिशत हिस्सा है।

भारत-त्रिनिदाद के बीच 8 समझौते : जयशंकर के दौरे पर भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो ने पर्यटन, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना और आयुर्वेद समेत विभिन्न क्षेत्रों में आठ समझौतों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौतों में पर्यटन सहयोग, त्रिनिदाद एवं टोबैगो के विदेश व कैरिकॉम मामलों के मंत्रालय भवन का सौर ऊर्जा से संचालन, वेक्टर नियंत्रण, नेल्सन द्वीप के बुनियादी ढांचे के उन्नयन व यूनिवर्सिटी ऑफ द वेस्ट इंडीज में आयुर्वेद पर भारतीय चेयर स्थापित करना शामिल है। जयशंकर ने प्रधानमंत्री कमला प्रसाद बिसेसर की मौजूदगी में स्कूली बच्चों को 2,000 लैपटॉप की पहली खेप सौंपी।

ब्रह्मांड की एक और गुत्थी सुलझी: ब्लैक होल की टक्करों से हो रहा पिंडों का जन्म, सितारों की टक्कर से बने जोड़

टोक्यो, एजेंसी। ब्रह्मांड के सबसे विशालकाय ब्लैक होल के निर्माण की एक बड़ी गुत्थी को सुलझा लिया गया है। हालिया एक शोध में वैज्ञानिकों का दावा है कि कॉस्मिक जायंट्स यानी विशालकाय खगोल पिंड घने तारा समूहों में होने वाली हिंसक टक्करों के परिणामस्वरूप बन रहे हैं। नेचर एस्ट्रोनॉमी जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में बताया गया कि गुरुत्वाकर्षण तरंगों ने इन ब्लैक होल के पिंडों के निर्माण के रहस्य से पर्दा उठाया है। कार्डिफ यूनिवर्सिटी के फैबियो एंटोनिनी के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने एलआईजीओ, केएजीआरए और वर्गो डिटेक्टरों की मदद से दर्ज किए गए 153 ब्लैक होल विलय का विश्लेषण किया। ये तरंगें, जिन्हें पहली बार 1915 में अल्बर्ट आइंस्टीन ने जनरल रिलेटिविटी के सिद्धांत के तहत प्रस्तावित किया था। अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह समझना था कि क्या भारी ब्लैक होल सीधे बड़े सितारों के ढहने से बनते हैं या छोटे ब्लैक होल के बार-बार आपस में जुड़ने से। अध्ययन में ब्लैक होल्स की दो स्पष्ट श्रेणियां देखी गई इसमें पहली कम द्रव्यमान वाले ब्लैक होल और दूसरी वो जो सुपरनोवा विस्फोट के बाद सितारों के कोर के ढहने से बने थे। शोधकर्ताओं ने पाया कि भारी ब्लैक होल की स्पिन तेज और विभिन्न दिशाओं में थी। टीम की सदस्य इसाबेल रोमेरो-शॉ के अनुसार, यह तेज और घूमने उल्टी-पुल्टी दिशा बताती है कि ये ब्लैक होल घने तारा समूहों के भीतर बार-बार हुई टक्करों से पैदा हुए हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, सूर्य के द्रव्यमान से 45 गुना बड़े सितारे मरने पर ब्लैक होल बनने के बजाय पूरी तरह से फट जाते हैं, 45 ब्लैक होल पहले से मौजूद ब्लैक होल के आपस में मिलने से बने। वैज्ञानिकों के मुताबिक, 45 सौर द्रव्यमान से बड़े ब्लैक होल का अस्तित्व केवल तभी संभव है जब वे पहले से मौजूद ब्लैक होल के आपस में मिलने से बने हों। यह खोज न केवल ब्लैक होल के बढ़ने की प्रक्रिया को स्पष्ट करती है।

ट्रंप की चीन यात्रा के दौरान गर्मजोशी की संभावना नहीं

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन की अपनी यात्रा से कुछ सप्ताह पहले से ही सोशल मीडिया पर यह भविष्यवाणी कर रहे थे कि उनके चीनी समकक्ष शी चिनफिंग वहां पहुंचने पर मुझे गले लगाएंगे। हालांकि,माना जा रहा है कि ईरान के साथ चीन के प्रगाढ़ आर्थिक संबंध, साथ ही ट्रंप के पहले कार्यकाल से चले आ रहे टैरिफ की धमकियों को लेकर व्यापारिक तनाव, इस सप्ताह ट्रंप की बीजिंग यात्रा के दौरान माहौल को धूमिल कर सकते हैं। इस्राइल से दो विदेशी नागरिक निर्वासित इस्राइल ने रविवार को दो विदेशी कार्यकर्ताओं सैफ अबू केशेक (स्पेन) और थियागो अविला (ब्राजील) को अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में गाजा जा रहे एक जहाजी बेड़े में गिरफ्तार करने के बाद निर्वासित कर दिया। ये 12 अप्रैल को स्पेन से शुरू दूसरे ग्लोबल सुमुद बेड़े का हिस्सा थे। इसका उद्देश्य गाजा में सहायता सामग्री पहुंचाकर इस्राइल द्वारा गाजा की नाकाबंदी को तोड़ना था। इन्हें 29 अप्रैल को इस्राइली अधिकारियों ने हिरासत में लिया था। गाजा पर इस्राइल के हमले में तीन की मौत इस्राइल की तरफ से गाजा पर किए गए हमले में तीन फलस्तीनियों की मौत हो गई। इनमें हमास के पुलिस बल प्रमुख समेत दो लोग शामिल हैं। चिकित्साकर्मियों ने बताया कि रविवार को हवाई हमले में मगाजी शरणार्थी शिविर में एक व्यक्ति की मौत हो गई। गाजा के हमास-नियंत्रित आंतरिक मंत्रालय के अनुसार, एक अन्य हमले में खान यूनिस में पुलिस बल के प्रमुख वेसम अब्देल-हादी और उनके सहयोगी की मौत हो गई। गाजा में युद्धविराम उल्लंघन का यह ताजा मामला है।

किम जोंग की हत्या हुई तो नॉर्थ-कोरिया न्यूक्लियर अटैक करेगा:संविधान में नया प्रावधान जोड़ा

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने अपने संविधान और परमाणु नीति में बड़ा बदलाव करते हुए नया प्रावधान जोड़ा है। अब अगर देश के सुप्रीम लीडर किम जोंग-उन की हत्या हो जाती है या किसी विदेशी हमले के दौरान वे लीडरशिप करने की हालात में नहीं रहते, तो उत्तर कोरिया तुरंत परमाणु हमला करेगा। ब्रिटिश अखबार द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, यह बदलाव मार्च में तेहरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद किया गया। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी के मुताबिक, इन हमलों ने प्योंगयांग को सोचने पर मजबूर कर दिया और उत्तर कोरिया को डर सताने लगा कि भविष्य में ऐसा 'डिकैपिटेशन स्ट्राइक' यानी टॉप लीडरशिप को खत्म करने वाला हमला उसके खिलाफ भी हो सकता है। यह नया प्रावधान 22 मार्च को प्योंगयांग में शुरू हुए 15वीं सुप्रीम पीपुल्स असेंबली के पहले सत्र के

दौरान अपनाया गया। बाद में दक्षिण कोरिया की नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस ने सीनियर सरकारी अधिकारियों को इस बदलाव की जानकारी दी।

क्यों बदली गई उत्तर कोरिया की परमाणु नीति : डिफेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरान पर हुए हमलों ने उत्तर कोरिया की लीडरशिप को झकझोर दिया। हमलों की तेजी और सटीकता देखकर प्योंगयांग को लगा कि विदेशी शक्तियां किम जोंग-उन और उत्तर कोरियाई मिलिट्री लीडरशिप के खिलाफ भी इसी तरह का ऑपरेशन कर सकती हैं। सियोल स्थित कूकमिन यूनिवर्सिटी में इतिहास और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रोफेसर आंद्रेई लांकोव ने मीडिया से कहा कि ईरान पर हुआ ऑपरेशन उत्तर कोरिया के लिए एक बड़ा चेतावनी संकेत बन गया। लांकोव ने कहा कि ईरान एक वेक-अप कॉल था। उत्तर कोरिया ने देखा कि अमेरिका और इजराइल के डिकैपिटेशन हमले कितने प्रभावी थे, जिन्होंने तुरंत ईरानी लीडरशिप के बड़े हिस्से को खत्म कर दिया। अब उत्तर कोरिया बेहद डरा हुआ होगा। उन्होंने यह भी कहा कि संभव है ऐसी नीति पहले अनौपचारिक रूप से मौजूद रही हो, लेकिन अब इसे संविधान का हिस्सा बना दिया गया है।

उत्तर कोरिया में हमला करना मुश्किल : एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ईरान के मुकाबले उत्तर कोरिया में ऐसा हमला करना कहीं ज्यादा मुश्किल होगा। उत्तर कोरिया दुनिया के सबसे बंद देशों में से एक है। वहां विदेशी डिप्लोमैट्स, सहायता कर्मियों और कारोबारियों पर कड़ी निगरानी रखी जाती है, जिससे खुफिया जानकारी जुटाना बेहद मुश्किल हो जाता है। लोकल ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इजराइली खुफिया एजेंसियों ने ईरानी नेताओं पर नजर रखने के लिए हैक किए गए ट्रैफिक कैमरों और डिजिटल सर्विलांस सिस्टम का इस्तेमाल किया था। हालांकि प्योंगयांग में ऐसा करना बहुत कठिन होगा।

भारतीय दवाओं पर अड़ंगे से नेपाल में गंभीर संकट, जीवन रक्षक औषधियों की घोर कमी का खतरा

काठमांडू , एजेंसी। नेपाल सरकार की नीतियों में बदलाव व शुल्क बाधाओं से देश में जीवन रक्षक दवाओं का संकट पैदा होने लगा है। नेपाल औषधि आयातकर्ता संघ ने चेताया है कि मूल्य समायोजन में दिखाई गई उदासीनता के कारण निकट भविष्य में इन दवाओं का गंभीर संकट पैदा हो सकता है। नेपाल अपनी जरूरत की 70% दवा आयात करता है। इसमें 90% दवाएं भारत से आती हैं। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष व आर्थिक दबाव के कारण दवाओं के कच्चे माल व उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई है। भारत व अन्य अंतरराष्ट्रीय बाजारों में दवाओं की कीमतें बढ़ चुकी हैं, लेकिन नेपाल ने 117 प्रकार की मूल्य

नियंत्रित दवाओं के संबंध में अब तक कोई निर्णय नहीं किया है। नेपाल औषधि आयातकर्ता संघ के अध्यक्ष पवन आचार्य के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिस अनुपात में कीमतें बढ़ी हैं, नेपाल में भी उसी के अनुसार समायोजन होना चाहिए। यदि कीमतें समायोजित नहीं की गईं, तो आयात करना संभव नहीं होगा। बाजार में इन दवाओं का भारी अभाव हो जाएगा। उन्होंने बताया कि इस संबंध में डिपार्टमेंट ऑफ ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन को औपचारिक जानकारी दी जा चुकी है।

भारतीय उत्पादकों की घटती रुचि, सुरक्षा चिंताजनक : नेपाल की ओर से 93 प्रकार की दवाओं के आयात पर रोक और आयात संबंधी बाधाएं खड़ी करने की नीति से भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियों की रूचि घटने लगी है। आचार्य के अनुसार, यदि भारत से नेपाल होने वाला निर्यात घटता गया, तो उनका हित भी कम हो जाएगा।

सीमा शुल्क व नीतिगत बाधाएं : आयातकों ने सीमा शुल्क विभाग से पैदा की जा रही परेशानियों की भी शिकायत की है। आचार्य के अनुसार, प्रावधान 5% सीमा शुल्क का है, पर बिलों की प्रामाणिकता पर सवाल उठाकर 28% तक जुर्माना वसूला जा रहा है। सिटी स्कैन व एमआरआई में इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन पर भी अतिरिक्त कर वसूला जा रहा है।

श्रीलंका में नाबालिग से रेप के आरोप में 71 वर्षीय बौद्ध भिक्षु गिरफ्तार; युवती की मां भी हिरासत में

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के वरिष्ठ बौद्ध भिक्षु पल्लेगामा हेमारथाना थेरो को नाबालिग लड़की से कथित रेप और यौन शोषण के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। 71 साल के भिक्षु को कोलंबो के एक निजी अस्पताल से हिरासत में लिया गया।

हेमारथाना थेरो श्रीलंका के आठ पवित्र बौद्ध स्थलों के प्रमुख संरक्षक हैं। वे अनुराधापुरा के मुख्य पुजारी भी हैं। अनुराधापुरा यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल में शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक वे उस पवित्र वृक्ष के भी संरक्षक हैं, जिसे बुद्ध के ज्ञान प्राप्ति वाले बोधि वृक्ष की शाखा से उगा माना जाता है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक पीड़िता अब 15 साल की है। मार्च में नाबालिग के कथित अपहरण और अवैध हिरासत से जुड़े एक मामले की जांच के दौरान पुलिस को लंबे समय तक यौन शोषण की जानकारी मिली। इसके बाद लड़की को सरकारी संरक्षण केंद्र में रखा गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक लड़की की मां को भी गिरफ्तार किया गया है। उस पर शोषण में मदद करने और मामला छिपाने का आरोप है। भिक्षु पर आरोप है कि 2022 में अनुराधापुरा के एक मंदिर में लड़की के साथ कई बार रेप और यौन उत्पीड़न किया गया। अदालत ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। फिलहाल उन्हें कोलंबो जेल अस्पताल में मेडिकल निगरानी में रखा गया है। बाल संरक्षण अधिकारियों ने पहले पुलिस की आलोचना की थी कि आरोपी का नाम सामने आने के बावजूद उसे गिरफ्तार नहीं किया गया। बाद में अनुराधापुरा के मुख्य मजिस्ट्रेट ने जांच पूरी होने तक भिक्षु को हिरासत

में रखने का आदेश दिया।

2 महीने पहले शिकायत दर्ज हुई थी : इस मामले की शिकायत मार्च में दर्ज कराई गई थी. शुरुआत में मामला नाबालिग लड़की के अपहरण और उसे जबरन रोककर रखने का था. लेकिन जांच आगे बढ़ने पर पुलिस को यौन शोषण की जानकारी मिली. पुलिस के मुताबिक, हेमरत्ना को राजधानी कोलंबो के एक निजी अस्पताल से पकड़ा गया. वह वहां इलाज करा रहे थे. कोलंबो, अनुराधापुरा से करीब 200 किमी दूर है. हेमरत्ना, अटामास्थान नाम के पवित्र बौद्ध स्थलों के मुख्य भिक्षु हैं. ये जगह श्रीलंका के सबसे अहम धार्मिक स्थलों में गिनी जाती है और यहां हर साल हजारों श्रद्धालु आते हैं. इससे पहले श्रीलंका में बौद्ध भिक्षुओं से जुड़ा एक और बड़ा मामला सामने आया था. 28 अप्रैल 2026 को कोलंबो एयरपोर्ट पर 22 बौद्ध भिक्षुओं को 110 किलो से ज्यादा गांजा रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया. पुलिस के मुताबिक, ये सभी भिक्षु थाईलैंड से लौट रहे थे. उनके सूटकेस में खास तरीके से नकली तली बनाकर गांजा छिपाया गया था. हर बैग में 5 किलो से ज्यादा गांजा मिला था. अधिकारियों का कहना था कि यह एयरपोर्ट पर अब तक की सबसे बड़ी ड्रग्स बरामदगी में से एक है. जब्त गांजे की कीमत करीब 34.5 लाख डॉलर यानी लगभग 110 करोड़ रुपये बताई गई है।

ईरान ने अमेरिका को फिर भेजा शांति प्रस्ताव, डोनाल्ड ट्रंप ने देखते ही किया खारिज

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने की तमाम कोशिशें नाकाम ही होती नजर आ रही हैं। उधर होर्मुज बंद होने और अमेरिका की नाकेबंदी की वजह से दुनियाभर में तेल और गैस का संकट गहराता हीचला जा रहा है। ईरान ने अमेरिका को एक और शांति का प्रस्ताव भेजा था लेकिन डोनाल्ड ट्रंप ने उसे स्वीकार करने से सीधे तौर पर इनकार करद या। रविवार को ईरान ने अमेरिका के सामने एक नया प्रस्ताव रखा था। इसके मुताबिक हर मोर्चे पर युद्धविराम करने की मांग की गई थी। खास तौर पर लेबनान में संघर्ष रोका जाना और होर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षित आवाजाही पर जोर दिया गया था।

क्या थीं ईरान की शर्तें : ईरान का कहना था कि युद्ध में जो उसे नुकसान हुआ है उसकी अमेरिका भरपाई करे और मुआवजा दे। इसके अलावा ईरान की शर्त थी कि अमेरिका अपने प्रतिबंध हटा ले और ईरान के तेल को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचने की पूरी छूट दी जाए। इस प्रस्ताव में कहा गया था कि होर्मुज पर ईरान की संप्रभुता को स्वीकार किया जाए। डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के इस प्रस्ताव को तत्काल खारिज कर दिया। डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ही साफ कर दिया है कि यह डील उनके लिए अस्वीकार्य है। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने रविवार को कहा कि अमेरिका के साथ बातचीत में शामिल होने का मूल मकसद देश के अधिकारों को सुरक्षित करना और राष्ट्रीय हितों की मजबूती से रक्षा करना है। इसका अर्थ किसी के आगे आत्मसमर्पण करते हुए पीछे हटना नहीं है। गौरतलब है कि ईरानी सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार पेजेश्कियन ने कहा कि ईरानी राष्ट्र 'दुश्मन के सामने कभी नहीं झुकेगा।

अमेरिका ने भी दिया था शांति प्रस्ताव : वाशिंगटन और तेहरान के बीच जारी वार्ता में पाकिस्तान मध्यस्थता कर रहा है। मौजूदा तनाव के चलते होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरने वाले

जहाजरानी तंत्र में व्यवधान उत्पन्न हुआ है और वैश्विक ऊर्जा बाजार हिल गए हैं। भारत के साथ पाकिस्तान के पिछले संघर्ष (ऑपरेशन सिंदूर) की पहली वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शरीफ ने रविवार को कहाः 'फिलहाल, फील्ड मार्शल (आसिम मुनीर) ने मुझे सूचित किया है कि हमें ईरान का जवाब मिल गया है। मैं इससे अधिक विवरण नहीं दे सकता।' इससे पहले, ईरानी मीडिया ने बताया था कि तेहरान ने अमेरिकी प्रस्ताव पर अपनी प्रतिक्रिया पाकिस्तान को सौंप दी थी, जिसे बाद में वाशिंगटन को भेज दिया गया था। अमेरिका और इजराइल द्वारा 28 फरवरी को ईरान पर किए गए संयुक्त हमलों और तेहरान की जवाबी कार्रवाई के परिणामस्वरूप युद्ध शुरू हुआ था। फिलहाल आठ अप्रैल से युद्धविराम जारी है। ईरान ने रेसलिंग हाउस पर अमेरिका-इजराइल का हमले का वीडियो शेयर किया भारत में ईरान के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंटने एक सीसीटीवी वीडियो शेयर किया है। पोस्ट में दावा किया गया है कि यह वीडियो जंग के दौरान मार्टर मोस्तफा सदरजादेह रेसलिंग हाउस पर हुए अमेरिका-इजराइल हमले का है। पोस्ट किए गए वीडियो में कथित तौर पर एक इमारत के अंदर धमाके और अफरा-तफरी जैसा नजारा दिख रहा है। अमेरिकी रक्षामंत्री ने हथियार कम पड़ने के दावे को खारिज किया अमेरिकी रक्षामंत्री पीट हेगसेथ ने ईरान युद्ध के कारण अमेरिका के हथियारों का स्टॉक तेजी से कम होने के दावों को खारिज कर दिया है। दरअसरल अमेरिकी नेवी के रिटायर्ड कैप्टन और डेमोक्रेटिक सीनेटर मार्क केली ने [illegible] को दिए इंटरव्यू में कहा था कि पेंटागन ने उन्हें बताया है कि अमेरिका ने बहुत बड़ी मात्रा में हथियार खर्च कर दिए हैं। पीट हेगसेथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मार्क केली के बयान पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने डेमोक्रेटिक सीनेटर मार्क केली पर गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया। हेगसेथ ने कहा कि केली टीवी पर पेंटागन की क्लासिफाइड ब्रीफिंग से जुड़ी गलत जानकारी दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि केली गलत और बेवकूफी भरी बातें कर रहे हैं। केली ने चेतावनी दी थी कि अगर भविष्य में चीन या किसी दूसरे मोर्चे पर बड़ा संघर्ष होता है, तो अमेरिका कम सुरक्षित स्थिति में होगा। केली ने दावा किया कि मौजूदा हथियार भंडार को फिर से तैयार करने में कई साल लग सकते हैं।

एक नजर

21 मई को खुलेंगे श्री मद्महेश्वर मंदिर के कपाट

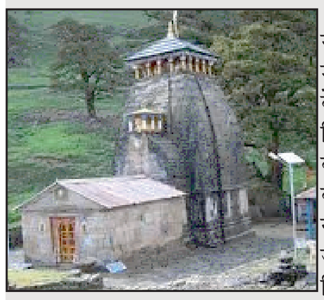

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : आगामी 21 मई को भगवान मद्महेश्वर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खुल जायेगें। केदारनाथ मंदिर समिति के मुख्य कार्याधिकारी ने यात्रा कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि 17 मई को भगवान मद्महेश्वर की उत्सव मूर्ति ओंकारेश्वर मंदिर के गर्भगृह से बाहर आकर मंदिर स्थित सभामंडप में विराजमान होगी। उन्होंने बताया कि 19 मई को भगवान मद्महेश्श्वर की उत्सव डोली प्रातः ओंकारेश्वर मंदिर से प्रस्थान कर रात्रि विश्राम हेतु राकेश्वरी मंदिर पहुंचेगी। इसके बाद 20 मई को डोली रांसी से प्रस्थान कर रात्रि विश्राम हेतु गौंडार पहुंचेगी। मुख्य कार्याधिकारी के अनुसार 21 मई को भगवान मद्महेश्वर की उत्सव डोली ग्राम गौंडार से प्रातः प्रस्थान करेगी तथा कर्क लग्न में श्री मद्महेश्वर मंदिर के कपाट विधि-विधान के साथ आम श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे।

ब्यूटी पार्लर व्यवसाय से बदली जिंदगी, आत्मनिर्भरता की मिसाल बन रहीं गुड्डी देवी

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की दूरदर्शी सोच के चलते उत्तराखंड में स्वरोजगार एवं महिला उद्यमिता के क्षेत्र में निरंतर उल्लेखनीय प्रगति हो रही है। इसी क्रम में जनपद चमोली के ग्राम कुशरानी मल्ली की निवासी श्रीमती गुड्डी देवी ने आत्मनिर्भरता एवं महिला सशक्तिकरण का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष सहायतित ग्रामोत्थान परियोजना के अंतर्गत ग्रामीण महिलाओं को स्वरोजगार एवं उद्यमिता से जोड़ने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में वित्तीय वर्ष 2025-26 में ग्राम कुशरानी मल्ली की निवासी श्रीमती गुड्डी देवी, सदस्य माई स्वयं सहायता समूह एवं सरस्वती स्वायत्त सहकारिता, माईथान को ब्यूटी पार्लर व्यक्तिगत उद्यम स्थापित करने हेतु 75,000 की परियोजना सहायता प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त बैंक के माध्यम से 3 लाख की सीसीएल सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। परियोजना एवं बैंक सहयोग से गुड्डी देवी ने अपने क्षेत्र में ब्यूटी पार्लर शॉप स्थापित कर स्वरोजगार का सफल उदाहरण प्रस्तुत किया है। वर्तमान में वे महिलाओं को विभिन्न प्रकार की ब्यूटी एवं मेकअप सेवाएं प्रदान कर रही हैं। उनके कार्य की गुणवत्ता एवं सेवाओं के कारण स्थानीय क्षेत्र में उनकी अच्छी पहचान बन रही है। इस उद्यम से वे प्रतिमाह लगभग 20,000 से 25,000 तक की आय अर्जित कर रही हैं, जिससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

गुड्डी देवी ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, ग्रामोत्थान परियोजना एवं बैंक सहयोग का मैं हृदय से धन्यवाद करती हूं, जिनके सहयोग से मुझे अपने सपनों को साकार करने का अवसर मिला। पहले मैंने छोटे स्तर पर काम शुरू किया था, लेकिन अब मेरा ब्यूटी पार्लर अच्छी आय का माध्यम बन गया है। इससे मुझे आत्मनिर्भर बनने और परिवार को आर्थिक सहयोग देने में काफी मदद मिली है। अब मैं अन्य महिलाओं को भी स्वरोजगार के लिए प्रेरित कर रही हूं।

शिक्षकों ने उपशिक्षा अधिकारी कार्यालय में प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखंड के जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संगठन के आह्वान पर शिक्षकों ने उपशिक्षा अधिकारी कार्यालय में प्रदर्शन कर धरना दिया। उन्होंने इस आदेश पर पुनर्विचार करने की मांग की है। इस संबंध में प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा गया है। जिलाध्यक्ष भगत सिंह भंडारी ने कहा कि शीर्ष अदालत ने प्रारंभिक शिक्षकों को सेवा में बने रहने व पदोन्नति के लिए 55 वर्ष तक अनिवार्य रूप से टीईटी परीक्षा उत्तीर्ण करने का आदेश दिया था, जिससे प्रदेश के करीब 15 से 30 हजार शिक्षक प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने शिक्षक पात्रता परीक्षा के विरोध व विभिन्न मांगों को लेकर बीईओ के माध्यम से प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। इस मौके पर विपिन चंद्र, प्रताप सिंह, मनमोहन सिंह, कमल उप्रेती, रश्मि बिष्ट, कुलदीप सिंह, रजनीश अण्थवाल, कमल रावत आदि मौजूद रहे।

नदी किनारे महिला का शव मिला

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्र के नकोट निवासी महिला का शव मंगलवार को तहसील क्षेत्र के चोपड़िया के समीप अलकनंदा नदी किनारे मिला। महिला ने चार मई को कीर्तिनगर मोटर पुल से अलकनंदा नदी में छलांग लगाई थी। थाना प्रभारी कीर्तिनगर संजय मिश्रा ने बताया कि शव की पहचान परिजनों द्वारा रचना बमराड़ा (35 वर्ष) पत्नी सुभाष बमराड़ा, निवासी नकोट के रूप की गई है। शव को बेस अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया है। बुधवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा जाएगा। (एजेंसी)

चालक की सूझबूझ से 12 यात्रियों की बची जान

श्रीनगर गढ़वाल : चारधाम यात्रा पर आए मॉरीशस के 12 यात्रियों से भरे एक टेंपो ट्रैवलर का मंगलवार को कीर्तिनगर के दुगड्डा चौकी के पास अचानक ब्रेक फेल हो गया। चालक की सूझबूझ और उत्तराखंड पुलिस की तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। थाना प्रभारी संजय मिश्रा ने बताया कि टेंपो ट्रैवलर में सवार यात्री गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के दर्शन करने के बाद बदरीनाथ और केदारनाथ धाम की ओर जा रहे थे। चौकी दुगड्डा के पास वाहन के ब्रेक अचानक फेल हो गए। चालक ने तत्काल हैंड ब्रेक का इस्तेमाल कर वाहन को नियंत्रित किया। सभी यात्रियों को सुरक्षित वाहन से बाहर निकालकर चौकी में बैठाया। इसके बाद मोटर मैकेनिक को बुलाकर वाहन के ब्रेक ठीक करवाए गए। वाहन सही होने के बाद यात्रियों को सुरक्षित उनके गंतव्य के लिए रवाना किया गया। (एजेंसी)

आंगनबाड़ी केंद्र में ताश खेलने और शराब पीने पर प्रतिबंध

चमोली। विकासखंड के ऐंड गांव की महिलाओं ने ग्राम प्रधान की मौजूदगी में बैठक कर सामाजिक समारोहों में शराब परोसने और गांव में शराब के प्रचलन पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया। ग्रामीणों ने जुर्माना तय करते हुए आंगनबाड़ी केंद्र में ताश खेलने और शराब पीने पर भी सख्त कार्रवाई करने की बात कही है। महिला मंगल दल अध्यक्ष अंशी देवी की अध्यक्षता और ग्राम प्रधान राकेश सिंह की उपस्थिति में आयोजित बैठक में महिलाओं ने कहा कि शराब के प्रचलन से युवा पीढ़ी एवं बच्चों पर बुरा असर पड़ रहा है। यही नहीं सामाजिक समारोह में कई बार सौहार्द का वातावरण शराब के कारण खराब हो रहा है। ग्रामीणों ने बड़े सामाजिक कार्यक्रमों में शराब के प्रचलन पर 51 हजार और छोटे कार्यक्रमों में 21 हजार के जुर्माने का प्रावधान रखा है। साथ ही कहा कि कई अराजक तत्व गांव के आंगनबाड़ी केंद्र के परिसर में ताश खेलते हैं और शराब भी पीते हैं।

बलदेव सिंह आर्य के योगदान को किया याद

जयन्त प्रतनिधि। कोटद्वार : शैलशिल्पी विकास संगठन सहित अन्य संगठनों की ओर से तत्कालीन उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री रहे बलदेव सिंह आर्य की 114वीं जयंती मनाई गई। वक्ताओं ने कहा कि समाज सेवा में दिए गए बलदेव सिंह आर्य के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। शैलशिल्पी विकास संगठन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि बलदेव सिंह आर्य गढ़वाल के प्रथम सांसद थे। पूर्व काबीना मंत्री सुरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि बलदेव सिंह आर्य का जीवन समाज सेवा में समर्पित रहा। युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। आर्य को महान स्वतंत्रता संगाम सेनानी बताते हुए संगठन के अध्यक्ष विकास कुमार आर्य ने कहा कि समाज सेवा में दिए गए बलदेव सिंह आर्य के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। आजादी के आंदोलन में भी उन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह मूल निवासी व उपेक्षित समाज का नेतृत्व करते रहे। इस मौके पर डा. सोहन लाल, मयंक कोठारी, एमएल भारती, मीना बछवाण, गीता नेगी, परशुराम, गीता सिंह, हेमलता नेगी, सुरेंद्र लाल आर्य आदि मौजूद रहे। वहीं, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी दुगड्डा की ओर से भी दुगड्डा में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर पूर्व ब्लॉक प्रमुख रुचि कैंत्युरा, जयद्रथ आर्य, राजीव जखमोला, अनिल रतूड़ी, पूरण सिंह, हरेंद्र रावत, राकेश रावत, पीयूष कैंत्युरा, अशोक रावत, कुंदन सिंह, संदीप भट्ट, सुनीता देवी, मंजू देवी, पूनम शाह, बलवीर सिंह, रमेश चंद्र आदि मौजूद रहे।

गुलदार ने महिला पर मारा झपटा, दहशत में ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : जनपद पौड़ी गढ़वाल में गुलदार का आंतक थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुलदार आये दिन लोगों पर हमला कर रहा है। मंगलवार को एकेश्वर ब्लॉक के भरपूर गांव में गुलदार ने एक महिला पर झपटा मार दिया। गनीमत रही की ग्रामीणों के शोर से गुलदार बाघ गया। दिन दहाड़े गुलदार के महिला पर झटपा मारने से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्राम पंचायत प्रधान भरपूर पूनम देवी ने बताया कि मंगलवार सुबह लगभग दस बजे गुलदार ने महिला पर झपटा मार दिया। ग्रामीणों का शोर सुनकर गुलदार भाग गया और एक बड़ा हादसा होने से टल गया। उन्होंने बताया कि वन विभाग के अधिकारियों को सूचना दी गई, सूचना पर विभाग के अधिकारी गांव में पहुंचें। ग्रीमणों ने वन विभाग के अधिकारियों को बताया कि गांव के आसपास लगातार गुलदार दिखाई दे रहा है। जिससे लोगों में भय बना हुआ है। ग्राम प्रधान ने वन विभाग अधिकारी दमदेबल को ज्ञापन देकर शीघ्र ही गांव में गुलदार को पकड़ने हेतु पिंजड़ा लगाने की मांग की है।

विकासनगर बाजार में वृद्ध से झपटमारी, आरोपी युवक गिरफ्तार

विकासनगर। विकासनगर बाजार में एक वृद्ध व्यक्ति के साथ झपटमारी की घटना ने लोगों को दहशत में डाल दिया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने आरोपी युवक को मौके पर ही पकड़ लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की गई 2000 रुपये की नकदी भी बरामद कर ली है। अचानक हुई इस वारदात से बाजार क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

मोटरसाइकिल सवारों को टक्कर मारने वाले ट्रक चालक पर मुकदमा

विकासनगर। कोतवाली विकासनगर क्षेत्र के जीवनगढ़ में तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया था। मामले में मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज जांच शुरू कर दी है। कोतवाल राजीव रौथाण ने बताया कि दस मई की रात को सुधांशु कश्यप और दिव्यांश निवासी जीवनगढ़ मोटरसाइकिल से विकासनगर से अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वे जीवनगढ़ स्थित प्रदीप सीमेंट स्टोर के पास पहुंचे, तभी ट्रक के चालक ने बिना इंडिकेटर दिए अचानक ट्रक मोड़ दिया, जिससे मोटरसाइकिल ट्रक से टकरा गई। हादसे में दोनों युवकों को गंभीर चोटें आईं। घायल अवस्था में उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां सुधांशु कश्यप को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि दिव्यांश का उपचार जारी है।

वेतन विसंगति से नाराज श्रमिकों ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया

विकासनगर। यमुना पर निर्माणाधीन 300 मेगावाट लखवाड़ बहुउद्देशीय जल विद्युत परियोजना में कार्यरत श्रमिकों ने मंगलवार को वेतन विसंगति समेत अपनी विभिन्न मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। सीटू यूनियन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में श्रमिक डेमसाइड क्षेत्र से बाहर कडियाण में धरने पर बैठ गए। श्रमिकों का आरोप है कि कंपनी की ओर से वेतन दरों को लेकर लगातार भ्रम की स्थिति पैदा की जा रही है, जिससे मजदूर खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं। श्रमिकों का कहना है कि कंपनी की ओर से आठ घंटे की मजदूरी के लिए अलग-अलग समय पर अलग-अलग रेट सूची जारी की जा रही है।

राजमार्ग विस्तार से प्रभावित व्यापारियों को राहत दी जाए

ऋषिकेश। राष्ट्रीय राजमार्ग विस्तार से प्रभावित व्यापारी परेशान हैं। उन्होंने केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा से मुलाकात कर उचित मुआवजा और सहायता राशि दिलवाने की गुहार लगाई। मंगलवार को राष्ट्रीय राजमार्ग विस्तार से प्रभावित व्यापारियों ने नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र सिंह नेगी के नेतृत्व में दिल्ली में केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा से मुलाकात की। व्यापारियों ने कहा कि देहरादून-हरिद्वार राष्ट्रीय राजमार्ग तथा डोईवाला-ऋषिकेश मार्ग विस्तार के चलते बड़ी संख्या में छोटे व्यापारियों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि टिहरी बांध प्रभावितों की तर्ज पर व्यापारियों को भी उचित मुआवजा, सहायता राशि और राहत पैकेज दिया जाए। नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि विकास कार्य जरूरी हैं, लेकिन इससे प्रभावित हो रहे व्यापारियों की रोजी-रोटी की सुरक्षा भी सरकार की जिम्मेदारी है। समय रहते ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो कई परिवारों पर आर्थिक संकट गहरा सकता है। केंद्रीय राज्य मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को समस्या के समाधान का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व प्रधान अठूरवाला पुरुषोत्तम डोभाल, वार्ड सभासद सुरेश सैनी, सामाजिक कार्यकर्ता संजय चमोली, कमल गोला आदि शामिल रहे।

दो शिक्षक समेत सात लोगों को मिला बीना स्मृति सम्मान

चमोली। विकासखंड के बरतोली में मंगलवार को स्व. बीना स्मृति पर्यावरण एवं संवर्धन एवं सांस्कृतिक मेले का शुभारंभ हुआ। इस दौरान सात लोगों को स्व. बीना स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। इस मौके पर महिला मंगल दलों और स्कूली बच्चों ने लोकगीत और लोकनृत्यों की प्रस्तुति भी दी गई। मंगलवार को मेले का शुभारंभ जिपंस रेखा बिष्ट ने किया। लोक जागृति विकास संस्था के सचिव जितेंद्र कुमार ने बीना के बलिदान पर आधारित व तेरी ऋतु बसंत बोड़ी की आंदा, मनखी बोड़ी नी आंदा...गीत की मार्मिक प्रस्तुति दी जिससे सभी की आंखें नम हो गईं। मेले में बीना स्मृति फाउंडेशन की ओर से आनंद सिंह कांदली प्रभागीय लैंगिक प्रबंधक वन विकास निगम, शिक्षक धनपति शाह और उमेश चंद्र सती, वन दरोगा दिनेश रोदियाल और हनुमंत सिंह बिष्ट, डिप्टी रेंजर लोहबारेंज अवतार सिंह रावत, राजपाल कोठियाल को बीना स्मृति सम्मान से सम्मानित किया गया। साथ ही बीना की मां नंदी देवी को भी सम्मानित किया गया। जिपंस रेखा बिष्ट ने बताया कि जंगल की आग बुझाने के दौरान बीना बिष्ट (14) की मौत हो गई थी। तब से हर साल उनकी स्मृति में यह आयोजन किया जाता है। उन्होंने बीना के स्मारक के लिए 5 लाख और मेले के लिए ढाई लाख रुपये देने की घोषणा की।

लोगों ने बांध प्रभावितों के आंदोलन को दिया समर्थन

उत्तरकाशी। निशुल्क बिजली-पानी देने की मांग को लेकर बांध प्रभावितों का धरना 75वें दिन भी जारी रह। 14वें दिन क्रमिक अनशन पर भगवानदेई तोपवाल और रामेश्वरी कठैत बैठी।

उन्होंने शासन-प्रशासन से प्रभावितों की मांग का शीघ्र समाधान की मांग उठाई। बौराड़ी के गणेश चौक में बांध प्रभावितों का जन अधिकार संघर्ष मोर्चा के बैनर तले धरना जारी है। मोर्चा के अध्यक्ष सागर भंडारी ने बताया मंगलवार को उत्तरकाशी जिले के भाजपा नेता विजय बहादुर सिंह रावत और सामाजिक कार्यकर्ता सुभाष रावत ने धरन स्थल आकर बांध प्रभावितों को अपना समर्थन दिया। विजय और सुभाष ने कहा कि टिहरी बांध बनने से टिहरी ही नहीं उत्तरकाशी जिले के भी कई गांव प्रभावित हुए हैं। बांध बने कई वर्ष बीत जाने के बाद भी प्रभावितों की समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया है। लोगों को आज भी सुविधाओं के लिए संघर्ष करना पड़ है।

मोर्चा के अध्यक्ष भंडारी ने कहा कि बांध प्रभावित दो माह से अधिक समय से धरने पर बैठे हैं लेकिन उनकी मांग का समाधान नहीं हो पा रहा है। कहा कि मांग पूरी न होने पर बांध प्रभावितों में आक्रोश बना है। कहा कि जब मांग पूरी नहीं हो जाती उनका आंदोलन जारी रहेगा। इस मौके पर देवांक चमोली, दिनेश भट्ट,दीपक नेगी, रोहन, नैतिक खत्री, अशरफ सेमवाल, शीला पैन्यूली, कृष्ण बिष्ट, रेखा नेगी, अयुष्मान, अंशुमन, राघव आदि मौजूद थे।

परीक्षा समीक्षा बैठक में छात्रों ने अनुभव साझा किए

उत्तरकाशी। राजकीय इंटर कॉलेज कंडारी, नौगांव में हाईस्कूल परिषदीय परीक्षा में सफल छात्र-छात्राओं के साथ परीक्षा-समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्रा पूजा गौड़, खुशी चौहान और कनिका गौड़ को सम्मानित किया गया। राइंका कंडारी में इस बार बोर्ड परीक्षा का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। शिक्षक अनिल बहुगुणा ने बच्चों के सतत प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सफलता केवल अंकों से नहीं, बल्कि निरंतर सीखते रहने की प्रक्रिया से बनती है। कार्यक्रम संयोजक कला शिक्षक सुरक्षा रावत ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा केवल अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि स्वयं को पहचानने और आगे की दिशा तय करने का अवसर भी है। प्रधानाचार्य रमेश लाल ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम में शिक्षक विशंभर प्रसाद नौटियाल, वंशिका, सुनाक्षी, मोनिका, ऋषिका, साक्षी, कृष गौड़, अनमोल राणा, रचित गौड़ आदि उपस्थित रहे।

चारधाम यात्रा में मध्यप्रदेश के दो भाइयों का पैदल संकल्प बना प्रेरणा

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की आस्था और संकल्प का अद्भुत उदाहरण मध्यप्रदेश के गुना जिले के दो चचेरे भाई-उधम सिंह (60) और दिवान सिंह (70)-ने प्रस्तुत किया है। दोनों भाई ऋषिकेश से पैदल यात्रा पर निकले और यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ तथा बदरीनाथ धाम के दर्शन का संकल्प लिया। उनका कहना है कि यह यात्रा केवल धार्मिक उद्देश्य तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को सकारात्मक संदेश देना भी इसका हिस्सा है। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश से ऋषिकेश तक वाहन से पहुंचे, लेकिन हिमालयी धामों की यात्रा पैदल करने का निश्चय किया। कठिन रास्तों और बदलते मौसम में भी भगवान के प्रति अटूट आस्था उन्हें आगे बढ़ने की शक्ति देती है। प्रतिदिन लगभग 35 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए वे स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं से मिलते हैं, जो उनके साहस की सराहना कर शुभकामनाएं देते हैं। दोनों भाई इस यात्रा के माध्यम से स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी फैला रहे हैं। उनका मानना है कि धार्मिक स्थलों की पवित्रता बनाए रखना हर श्रद्धालु की जिम्मेदारी है। उनकी यह कठिन पैदल यात्रा न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि समाज को प्रेरित करने वाला उदाहरण भी है।

अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस धूमधाम से मनाया

ऋषिकेश। तीर्थनगरी ऋषिकेश समेत आसपास के क्षेत्रों में मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस धूमधाम से मनाया गया। विभिन्न चिकित्सा संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित हुए, जिनमें वक्ताओं ने नर्सिंग की महत्ता के बारे में बताया। मंगलवार को राजकीय चिकित्सालय ऋषिकेश में अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस पर केक काटकर सेरेमनी की गई। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आनंद सिंह राणा ने कहा कि नर्सें किसी भी स्वास्थ्य सेवा संस्था की रीढ़ होती हैं। उन्होंने कहा कि नर्सें केवल मरीजों का उपचार ही नहीं करतीं, बल्कि उन्हें मानसिक संबल, आशा और सम्मान भी प्रदान करती हैं। उत्तराखंड नर्सिंग काउंसिल के सदस्य हरिकृष्ण बिजल्वाण ने कहा कि वर्तमान स्वास्थ्य व्यवस्था में नर्सों को ज्ञान, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं व्यावसायिक उत्कृष्टता के माध्यम से सशक्त बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। मौके पर डॉ. लोकेश सलूजा, सहायक नर्सिंग अधीक्षिका जाय लॉयल, उत्तराखंड नर्सिंग काउंसिल के सदस्य हरिकृष्ण बिजल्वाण, नर्सिंग अधिकारी पूनम त्यागी, दीपिका, संगीता, लक्ष्मी रावत, मधु, अनामिका, कविता, संगीता, सुनीता, सीमा, नंदनी, सोनिया, अमृता, मीनाक्षी, रीता, नवीन, रवि सिंह, पुष्पा, दीपक, लता, प्रियंका, हिमानी, बीना, किरण अभिषेक आदि रहे।

ग्राम पंचायत मुसड़गांव में हूंण नाग देवता की प्राण प्रतिष्ठा हुई

उत्तरकाशी। डुंडा ब्लॉक के ग्राम पंचायत मुसड़गांव धनारी में नव निर्मित हूंण नाग देवता मंदिर की मूर्ति स्थापना व वास्तु पूजन कार्यक्रम विधिवत रूप से शुरू हो गया। इस दौरान ग्रामीणों ने अपने अराध्य देव की पूजा-अर्चना की और अपनी व ग्राम सभा की कुशलता की कामना की।

धनारी क्षेत्र व ग्राम पंचायत मुसड़गांव के अराध्य देव हूंण नाग देवता के नव निर्मित मंदिर में वास्तुपूजन व मूर्ति स्थापना कार्यक्रम सोमवार को भव्य कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ। कार्यक्रम के दूसरे दिन मंगलवार दोपहर को सभी ग्रामीणों ने अपने अराध्य देवी देवताओं की पूजा-अर्चना की।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा 28, न्यू डिफेंस एन्क्लेव, डांडा नूरीवाला, सहस्रधारा रोड़, देहरादून उत्तराखण्ड से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जिला मुख्यालय देहरादून, उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. UTTHIN/2005/16338

एक नजर

पत्रकारिता एवं जन संचार बीजेएमसी व बायो टैक्नोलॉजी में प्रवेश प्रारंभ

कोटद्वार : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कोटद्वार में पत्रकारिता एवं जन संचार बी जे एम सी में सत्र 2026–27 में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी हैं। पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रभारी डॉ एस के गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि बीजेएम सी ऑनर्स प्रथम सैमेस्टर सहित बी जे एम सी प्रथम सैमेस्टर के अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले इच्छुक अभ्यर्थी (कला विज्ञान वाणिज्य वर्ग) के छात्र छात्राए समर्थ पोर्टल में रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं । रजिस्ट्रेशन की अन्तिम तिथि 31 मई 2026 तक निर्धारित की गई हैं वहीं दूसरी ओर बी० एस – सी बायो टैक्नोलॉजी विभाग की समन्वयक डॉ नीता भट्ट ने जानकारी देते हुए बताया कि बीएससी बायो टैक्नोलाजी प्रथम सैमेस्टर में प्रवेश लेने वाले इच्छुक छात्र-छात्राएँ भी समर्थ पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं , इसकी अन्तिम तिथि 31 मई 2026 निर्धारित की गई हैं।

नीट पेपर लीक मामले की सीबीआई जांच की मांग

श्रीनगर गढ़वाल : प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों को लेकर छात्रों और युवा संगठनों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। तीन मई को आयोजित नीट परीक्षा रद्द किए जाने और मामले की जांच सीबीआई को सौंपे जाने के बाद राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की कार्य प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। गढ़वाल विवि के छात्र नेता वीरेंद्र बिष्ट ने आरोप लगाया कि एनटीए लगातार निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से परीक्षाएं कराने में विफल साबित हो रही है। नीट के साथ-साथ सीयूईटी जैसी परीक्षाओं में भी अव्यवस्थाओं और पेपर लीक की घटनाओं ने लाखों छात्रों के भविष्य को संकट में डाल दिया है। बार-बार होने वाले पेपर लीक से सबसे अधिक नुकसान पहाड़ और दूरदराज क्षेत्रों के छात्रों को हो रहा है, जो सीमित संसाधनों के बीच कठिन मेहनत कर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं।

व्यापार सभा चुनाव को लेकर व्यापारियों में उत्साह

श्रीनगर गढ़वाल : व्यापार सभा के आगामी चुनाव को लेकर बाजार में इन दिनों माहौल गर्माने लगा है। चार साल बाद होने जा रहे चुनाव को लेकर व्यापारियों में उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी को लेकर अब चुनावी तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए व्यापारियों की एक बैठक बुलाई गई है।

बैठक में व्यापार सभा चुनाव को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी। इसके साथ ही व्यापारियों से सुझाव भी लिया जाएगा ताकि चुनाव प्रक्रिया सभी की सहमति से तय हो सके। प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के जिलाध्यक्ष वासुदेव कंडारी ने कहा कि व्यापार सभा व्यापारियों की प्रमुख संस्था है और इसका चुनाव निष्पक्ष व शांतिपूर्ण तरीके से होना जरूरी है। उन्होंने सभी व्यापारियों से बैठक में पहुंचकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की।

अधिकारियों-कर्मचारियों को किया सम्मान

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम श्रीनगर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हीरो ऑफ द मंथ सम्मान से सम्मानित किया गया। महापौर आरती भंडारी एवं नगर आयुक्त नुपूर वर्मा द्वारा निगम कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान यह सम्मान प्रदान किया गया।

इस अवसर पर निगम द्वारा सौंपे गए कार्यों के निष्पादन में व्यक्तिगत रुचि लेकर पूर्ण निष्ठा, कुशलता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने वाले कर्मचारियों की सराहना की गई।

नशे के खिलाफ सड़क पर उतरे लोग, कार्रवाई की मांग

कुछ दिन पूर्व 11वीं में पढ़ने वाले छात्र की हुई थी मौत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कुछ दिन पूर्व 11वीं में पढ़ने वाले छात्र की मौत के बाद सड़क पर उतरे स्थानीय लोगों नशे के खिलाफ प्रदर्शन किया। कहा कि क्षेत्र में लगातार अवैध नशे का कारोबार बढ़ता जा रहा है। लगातार शिकायत के बाद भी पुलिस व प्रशासन लापरवाह बना हुआ है। मंगलवार को लालपुर, ध्रुवपुर व सिम्मलचौड़ वासी बड़ी संख्या में मालवीय उद्यान के समीप एकत्रित हुए। यहां से उन्होंने पुलिस व प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए तहसील तक आक्रोश रैली निकाली। इसके उपरांत उन्होंने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। लोगों ने कहा कि उनका क्षेत्र जंगल से सटा है। दिनभर यहां नशेड़ियों का जमावड़ा लगा रहता है। नशेड़ियों के कारण महिलाएं चारापत्ती लेने तक नहीं जा पा रही हैं। क्षेत्र के अन्य जगहों में भी गली मोहल्लों में खुलेआम अवैध रूप से शराब, स्मैक, चरस, गांजा एवं अन्य मादक पदार्थों की बिक्री हो रही है जिससे नगर के युवा विशेषकर छात्र नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं। इसके कारण जहां सामाजिक माहौल दूषित हो रहा है, वहीं असामाजिक गतिविधियां एवं अपराधों का ग्राफ भी बढ़ रहा है। इस संबंध में पूर्व में भी पुलिस प्रशासन को ज्ञापन सौंपे गए थे, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। नशे के कारण ही क्षेत्र के एक छात्र की असमय मौत हो गई है। उन्होंने शराब व मादक पदार्थों की अवैध बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने, नियमित अभियान चला दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की। एसडीएम संदीप कुमार ने प्रदर्शनकारियों को भरोसा दिया कि वह पुलिस प्रशासन से वार्ता कर नशे के खिलाफ अभियान चलाएंगे। प्रदर्शनकारियों में पार्षद मनोज शाह, नेत्रमोहन असवाल, मृतक छात्र की मां श्रुता देवी, बुआ शोभा देवी, सोनिया असवाल, विनोद गुसाईं, निशी नेगी, सुबोध जदली, राम प्रकाश कौशिक, पारस नेगी, सुधा नेगी शामिल रहे।

कोटद्वार में नशे के खिलाफ आक्रोश रैली निकालते लोग

युवक की मौत मामले में कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सतपुली के रैतपुर गांव निवासी युवक के आत्महत्या प्रकरण को लेकर जिला मुख्यालय में कांग्रेसियों ने प्रदर्शन किया। उन्होंने पौड़ी पहुंचे कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज की बैठक में जमकर हंगामा किया। इस दौरान आक्रोशित कांग्रेसियों के नियंत्रित करने में पुलिस बल के पसीने छूट गए। इससे पूर्व कांग्रेसियों ने कलेक्ट्रेट गेट के समीप सरकार का पुतला जलाया। गुस्साए कांग्रेसियों को नियंत्रित करने और बैठक में खलल न डालने को लेकर विकास भवन के सभागार के मुख्य गेट पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। कांग्रेसियों को शांत करने के लिए संयुक्त मजिस्ट्रेट दीक्षिता जोशी और प्रभारी कोतवाल जयपाल सिंह नेगी ने कांग्रेसियों को समझाने की काफी देर तक कोशिश की। मंत्री के मुलाकात का भरोसा देने के बाद कांग्रेसी शांत हुए। पूर्व तय कार्यक्रम के अनुसार मंगलवार को विकास भवन सभागार में विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा को लेकर कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज पौड़ी पहुंचे। सभागार का मुख्य गेट बंद कर जिला स्तरीय अधिकारियों और भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ विकास कार्यों की समीक्षा बैठक शुरू हुई। सूचना मिलते ही कांग्रेस कार्यकर्ता विकास भवन पहुंच गए। जहां उन्होंने जमकर प्रदर्शन किया और मृतक युवक मामले में पुलिस कार्रवाई पर आक्रोश जताते हुए तत्कालीन थानाध्यक्ष को निलंबित करने और निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। आरोप लगाया कि पुलिस प्रताड़ना से तंग आकर युवक ने मौत को गले लगा लिया था जिसका प्रमाण सोशल मीडिया पर डाली गई मृतक की पोस्ट से साबित होता है। यह भी आरोप लगाया कि पुलिस विभाग अपने कर्मचारियों को बचाने की कोशिश कर रही है। बैठक समाप्त होने के बाद कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कांग्रेसियों से मुलाकात की।

अदालत ने खारिज की चेक बाउंस के आरोपी की अपील

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिला एवं सत्र न्यायाधीश पौड़ी धर्म सिंह की अदालत ने 8.28 लाख के चेक बाउंस के दोषी की आपराधिक अपील खारिज कर दी। अदालत ने निचली अदालत के फैसले को सही करार देते हुए पूर्व में दी गई सजा और जुर्माने के आदेश को सही ठहराते हुए सजा को बरकरार रखा। अदालत ने कहा कि पीड़ित ने कानूनी प्रक्रिया और साक्ष्यों के आधार पर अपना दावा साबित किया है। इसी आधार पर अदालत ने अपील निरस्त करते हुए निचली अदालत के फैसले को यथावत रखा।

मामले के अनुसार रतनपुर देहरादून निवासी विजेंद्र कुमार सकलानी ने आरोप लगाया था कि आरोपी ग्राम जखंड कीर्तिनगर टिहरी निवासी विपिन स्वरूप डोभाल ने जमीन बिक्री के नाम पर उससे 8.28 लाख लिए थे। तय समय पर जमीन न देने पर आरोपी ने रकम लौटाने के लिए दो चेक दिए, लेकिन बैंक में चेक जमा करने पर वे बाउंस हो गए। पीड़ित ने कानूनी नोटिस भेजकर पूरी राशि वसूलने की मांग की थी।

मामले में निचली अदालत ने एक मार्च 2023 को आरोपी को दोषी ठहराते हुए छह माह के साधारण कारावास और 8.50 लाख के अर्थदंड से दंडित किया था। अदालत ने इस राशि में से 8.45 लाख रुपये पीड़ित को प्रतिकर के रूप में देने और पांच हजार राजकोष में जमा करने के आदेश दिए थे। आरोपी ने निचली अदालत के फैसले को सत्र न्यायालय में चुनौती दी थी। सत्र न्यायालय ने पाया कि आरोपी अपने दावों के समर्थन में पर्याप्त साक्ष्य पेश नहीं कर सका।

नियमों के विरुद्ध चल रही पैथोलॉली लैब का लाइसेंस हो रद्द

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कांग्रेस ने क्षेत्र में नियमों के विरुद्ध संचालित हो रही पैथोलॉली लैब का लाइसेंस रद्द करने की मांग की है। कहा कि लैब संचालक लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे में स्थानीय प्रशासन को गंभीरता से कार्य करना चाहिए।

मंगलवार को महिला कांग्रेस की पूर्व प्रदेश महामंत्री रंजना रावत की अगुवाई में इस संबंध में एसडीएम संदीप कुमार के माध्यम से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सचिव को ज्ञापन भेजा है। कांग्रेस कार्यकर्ता ने ज्ञापन में कहा कि देवी रोड स्थित माही पैथोलॉजी लैब द्वारा एक बच्चे की खून की जांच रिपोर्ट पूरी तरह फर्जी बनाई गई, जिससे बच्चे की जान को खतरा हो सकता था। उन्होंने कहा कि जनपद के विभिन्न नगरों में बिना प्रशिक्षण प्राप्त तकनीशियन और पैथॉलाजिस्ट के अभाव में लैब संचालित हो रही हैं जिससे जनता के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है। ज्ञापन में उन्होंने माही पैथोलॉजी लैब समेत जनपद में तकनीशियन के अभाव में संचालित हो रही अन्य लैबों के लाइसेंस रद्द करने के साथ ही मामले की जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में सुरेंद्र सिंह गुसाईं, नरेंद्र सिंह नेगी, चंद्रमोहन सिंह, भीमेंद्र सिंह, मनोज रावत, लक्ष्मी चौहान, जावेद, अमन नेगी आदि शामिल रहे।

उपजिलाधिकारी को ज्ञापन देते कांग्रेसी

काफल तोड़ने के दौरान टूटी टहनी, खाई में गिरकर व्यक्ति की मौत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गुमखाल-सतपुली के मध्य काफल तोड़ने के दौरान टहनी टूटने से एक व्यक्ति गहरी खाई में गिर गया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची एसडीआरएफ व पुलिस टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाते हुए व्यक्ति के शव को खाई से बाहर निकाला।

पुलिस ने बताया कि द्वारीखाल ब्लॉक के ग्राम डाबर निवासी रोशन सिंह बिष्ट (55) पुत्र प्रकाश सिंह बिष्ट डंपर चालक है और इन दिनों हाईवे चौड़ीकरण के कार्य में कार्यरत हैं। मंगलवार दोपहर वे डंपर से मलबे को डंपिंग जोन में डालकर लौट रहा था। बताया जा रहा है कि चालक ने सौभान स्थली के समीप एक मोड़ पर डंपर खड़ा कर दिया और पास में स्थित काफल के पेड़ की ओर चला गया। इसी बीच संतुलन बिगड़ने से करीब 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरा जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि डंपर चालक संभवतः काफल तोड़ने के लिए पेड़ पर चढ़ा था। टहनी टूटने और संतुलन बिगड़ने से वह खाई में जा गिरा। एसआई प्रवेश कुमार ने बताया कि चालक के खाई में गिरने के वास्तविक कारणों का पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच की जा रही है। मृतक की पत्नी, मां व दो छोटी बेटियां हैं। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

दुर्घटना के बाद शव को खाई से बाहर निकालती सीएडीआरएफ की टीम

20 मई को होगी क्षेत्र पंचायत मंदाकिनी की बैठक

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : क्षेत्र पंचायत मंदाकिनी (अगस्त्यमुनि) की बैठक 20 मई को प्रातः 11 बजे विकासखंड सभागार में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्र पंचायत प्रमुख द्वारा की जाएगी। खंड विकास अधिकारी अगस्त्यमुनि ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में गत बैठक की कार्यवाही का वाचन एवं पुष्टि की जाएगी। इसके साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा कर आवश्यक चर्चा की जाएगी। उन्होंने बताया कि बैठक में जनप्रतिनिधि भी प्रतिभाग करेंगे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे शैक्षिक दस्तावेजों में मेरा नाम भारत सिंह रावत दर्ज है तथा मेरे अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम भारत सिंह दर्ज है। भारत सिंह रावत एवं भारत सिंह एक ही व्यक्ति याने मेरे स्वयं के ही नाम है, किसी अन्य व्यक्ति के नाम नहीं है।

भारत सिंह रावत पुत्र बचन सिंह निवासी ग्राम धयड़गांव, पोस्ट पाणीकासैंण, तहसील रिखणीखाल, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0517/21)

नशे पर पुलिस का प्रहार, लाखों की चरस के साथ दो गिरफ्तार

कोटद्वार पुलिस की हिरासत में चरस के साथ पकड़े गए युवक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नशे के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लाखों की चरस के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। बरामद चरस की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब साढ़े पांच लाख रुपये आंकी जा रही है। पुलिस आरोपियों के नेटवर्क और सप्लाई चैन की भी जांच में जुट गई है। मंगलवार को कोटद्वार कोतवाली में आयोजित प्रेस वार्ता में अपर पुलिस अधीक्षक मनोज ठाकुर ने बताया कि जिले में नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान पुलिस को सूचना मिली कि मालन नदी पुल के पश्चिमी छोर पर दो युवक संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके पास से 1.52 किलोग्राम चरस बरामद हुई। गिरफ्तार युवकों ने अपनी पहचान लकड़ी पड़ाव निवासी शहनवाज उर्फ शानू तथा बिजनौर के जाफ्तागंज-नजीबाबाद निवासी मोहम्मद फईम (वर्तमान निवासी लकड़ीपड़ाव, कोटद्वार) के रूप में बताई। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे कोटद्वार में फल और मछली का कारोबार करते हैं तथा खुद भी चरस का सेवन करते हैं। अधिक पैसा कमाने की चाह में उन्होंने चरस तस्करी का रास्ता अपनाया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी चरस कहां से लाते थे और इस कारोबार में उनके साथ और कौन-कौन लोग जुड़े हुए हैं। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पार्षदों को 25 हजार व महापौर को पचास हजार रुपये मानदेय देने का प्रस्ताव पास

आयोजित बैठक में अपनी बात रखते महापौर शैलेंद्र सिंह रावत

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : देहरादून की तर्ज पर कोटद्वार में भी पार्षदों को 25 हजार व महापौर को पचास हजार रुपये मानदेय देने का प्रस्ताव पास किया गया है। इस दौरान भारत सरकार की नारी शक्ति वंदन अधिनियम सहित विभिन्न प्रस्ताव पर चर्चा की गई। मंगलवार को महापौर शैलेंद्र सिंह रावत की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान महिला आरक्षण विधेयक को लेकर राजनीतिक माहौल गर्मा गया। पार्षदों ने आरोप लगाया कि लोकसभा के विशेष सत्र में कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों ने महिला आरक्षण विधेयक का विरोध किया, जिसके चलते इसे पारित नहीं होने दिया गया। इस मुद्दे को लेकर बोर्ड बैठक में कांग्रेस पार्टी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में अन्य महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी पारित किए गए। इनमें पार्षदों का मानदेय 25 हजार रूपये तथा महापौर का मानदेय 50 हजार रुपये किए जाने का प्रस्ताव शामिल रहा। साथ ही नगर निगम कार्यालय के समीप स्थित पुराने भवन को ध्वस्त कर नए कार्यालय भवन के निर्माण, मैसर्स अभिनंदन फैसिलिटी सर्विस आउटसोर्स एजेंसी के अनुबंध की अवधि एक वर्ष बढ़ाने तथा झंडाचौक के निकट पायनियर दुकान के पास जल निकासी के लिए आरसीसी पुलिया निर्माण का प्रस्ताव भी स्वीकृत किया गया।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण निर्माण विभाग, प्रखण्ड-पौड़ी।

पत्रांक 207 /दो-लेखा/निविदा सूचना/2026-27 दिनांक 08/05/2026

अल्पकालीन निविदा सूचना

उत्तराखण्ड राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्न निर्माण कार्यों की मुहरबन्द निविदा अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण निर्माण विभाग प्रखण्ड-पौड़ी द्वारा दिनांक 26.05.2026 के अपरान्ह 11.30 बजे तक ग्रामीण निर्माण विभाग के प्रखण्ड-पौड़ी में आंमत्रित की जाती है। जो उसी दिन इंगित निविदा अपराहन 12:00 बजे को अधोहस्तारी कार्यालय में उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी। निविदा प्रपत्रों का विक्रय दिनांक 11.05.2026 से दिनांक 25.05.2026 को सांय 4.00 बजे तक प्रखण्ड-पौड़ी में किया जायेगा, किन्ही अपरिहार्य कारणों से निर्धारित तिथि को अवकाश हो जाने पर मुहरबन्द निविदा अगले कार्य दिवस को प्राप्त/खोली जायेगी।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	विकास खण्ड	धरोहर धनराशि (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैधता	विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों की श्रेणी
1	जनपद पौड़ी गढ़वाल के विधानसभा पौड़ी के अन्तर्गत विकासखण्ड पौड़ी में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बणगांव में 01 कक्षा-कक्ष एवं 01 प्रधानाध्यापक कक्ष का निर्माण कार्य।	पौड़ी	60000.00	2000.00+ GST 18%	09 माह	45 दिन	भवन निर्माण श्रेणी ''ई'' / उच्च
2	जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड खिर्सू के अन्तर्गत श्रीनगर के ग्राम डांग में पार्क का अवशेष कार्य।	खिर्सू	46500.00	2000.00+ GST 18%	06 माह	45 दिन	भवन निर्माण श्रेणी ''ई'' / उच्च
3	जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड पौड़ी के अन्तर्गत राजस्व उपनिरीक्षक चौकी इडवालस्यूं का मरम्मत/ अनुरक्षण कार्य।	पौड़ी	18000.00	1000.00+ GST 18%	04 माह	45 दिन	भवन निर्माण श्रेणी ''ई'' / उच्च
4	जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड कोट के अन्तर्गत राजस्व उपनिरीक्षक चौकी कण्डवालस्यूं-01 का मरम्मत/ अनुरक्षण कार्य।	कोट	24000.00	1000.00+ GST 18%	04 माह	45 दिन	भवन निर्माण श्रेणी ''ई'' / उच्च
5	जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड कोट के अन्तर्गत राजस्व उपनिरीक्षक चौकी बनगढस्यूं-02 का मरम्मत/ अनुरक्षण कार्य।	कोट	30000.00	1000.00+ GST 18%	04 माह	45 दिन	भवन निर्माण श्रेणी ''ई'' / उच्च
6	जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड कल्जीखाल के अन्तर्गत राजस्व उपनिरीक्षक चौकी कफोलस्यूं-03 का मरम्मत/अनुरक्षण कार्य।	कल्जीखाल	18000.00	1000.00+ GST 18%	04 माह	45 दिन	भवन निर्माण श्रेणी ''ई'' / उच्च
7	जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड पाबौ के अन्तर्गत राजस्व उपनिरीक्षक चौकी कण्डारस्यूं-03 का मरम्मत/ अनुरक्षण कार्य।	पाबौ	18000.00	1000.00+ GST 18%	04 माह	45 दिन	भवन निर्माण श्रेणी ''ई'' / उच्च
8	जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड पाबौ के अन्तर्गत राजस्व उपनिरीक्षक चौकी घुडदौडस्यूं-03 का मरम्मत/ अनुरक्षण कार्य।	पाबौ	24000.00	1000.00+ GST 18%	04 माह	45 दिन	भवन निर्माण श्रेणी ''ई'' / उच्च

अधिशासी अभियन्ता,
ग्रामीण निर्माण विभाग,
प्रखण्ड पौड़ी।

(0165/59)

संपादकीय

सोने व ईंधन का संयम

खाड़ी युद्ध से उपजे हालात व बाधित वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के बीच प्रधानमंत्री का ईंधन के उपयोग व सोने की खरीद में संयम बरतने का आह्वान निस्संदेह, वक्त की जरूरत है। लेकिन तेलंगाना के बाद बडोदरा से दूसरी बार उनके राष्ट्र को संबोधन व इसके समय को लेकर सवाल भी उठे हैं। निस्संदेह, हालात काफी दिनों से चुनौतीपूर्ण बने हैं, रुपये में तेज गिरावट व महंगे कच्चे तेल के आयात की वजह से हमारा विदेशी मुद्रा भंडार काफी दबाव में रहा है। आलोचक सवाल उठा रहे हैं कि इस घोषणा के लिये विधानसभा चुनाव परिणामों का इंतजार क्यों किया गया। कुछ लोगों का मानना है कि सत्ता शीर्ष से किया गया आह्वान कई बार देश में असुरक्षाबोध पैदा करता है, जिसका नकारात्मक असर भी पड़ सकता है। दरअसल, इससे कृत्रिम संकट पैदा करने वाले तत्व भी सक्रिय हो जाते हैं। इससे चीजों की जमाखोरी और कालाबाजारी को भी बढ़ावा मिलता है। इसमें दो राय नहीं कि देश बड़ी मात्रा में कच्चा तेल व सोना आयात करता है। जाहिर बात है जब इनकी वैश्विक कीमतें बढ़ती हैं तो इन दोनों के कारण भारी दबाव देश के विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ता है। निस्संदेह, विषम वैश्विक परिस्थितियों में ईंधन की बचत, घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देना और आयात पर निर्भरता कम करना चुनौतियों से मुकाबले के लिये समझदारी भरे उपाय हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि पिछले डेढ़ माह में सरकार विधानसभा चुनावों में व्यस्त रही। इस दौरान आर्थिक प्रबंधन का मुद्दा हाशिये पर चला गया। अब इन चुनौतियों से मुकाबले के प्रयास किए जा रहे हैं। लेकिन लोगों से विदेशों में शादियां टालने, सोना खरीदने से बचने के लिये कहना बताता है कि रुपये में तेज गिरावट से सरकार चिंतित है। कहा जा रहा है कि बार-बार अर्थव्यवस्था के मजबूत होने का दावा करने वाली सरकार को जनता से व्यवहार में संयम बरतने का आग्रह करने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी।

दरअसल, आशंका यह भी है कि इन कदमों के ऐसे भी नतीजे निकल सकते हैं,जिनकी उम्मीद न की गई हो। निर्विवाद रूप से सोना भारतीय संस्कारों में है। वहीं भारत में आभूषण उद्योग लाखों लोगों की रोजी-रोटी का जरिया है। ऐसे में सोने की खरीद में गिरावट से संपन्न निवेशकों के मुकाबले श्रमिकों को ज्यादा नुकसान पहुंच सकता है। वहीं दूसरी ओर वर्क-फ्रॉम होम की नीति, काम करने वालों के बड़े तबके के लिए व्यावहारिक नहीं है। निस्संदेह, किसी भी आसन्न संकट में नागरिकों की जिम्मेदारी मायने रखती है। यह हमारा राष्ट्रीय कर्तव्य है। लेकिन सवाल यह है कि मंत्रियों के कारों के काफिलों पर भी अंकुश लगेगा.. क्या शासन प्रशासन की शाहखर्ची पर लगाम लगेगी...। यदि ऐसा नहीं होता तो जनता की स्वतःस्फूर्त पहल प्रभावित होगी। वैसे भी नागरिक जिम्मेदारी एक हद तक तो प्रभावी हो सकती है,लेकिन वह किसी आपातकालीन योजना का विकल्प नहीं हो सकती। सरकार को भी अपनी आर्थिक नीतियों पर पुनर्विचार की जरूरत है। जहां तक सोने की खरीद पर संयम का सवाल है तो उससे देश में गहरा भावनात्मक लगाव जुड़ा रहा है। सोना हमारी संस्कृति, परंपरा, बचत और पारिवारिक समारोहों में गहरे तक शामिल रहा है। लेकिन सदियों से सम्मोहित करते सोने का आयात विदेशी मुद्रा भंडार पर गहरा असर डालता है।

चिंतन-मनन

श्रम रहित परिश्रम

महर्षि वेदव्यास किसी नगर से गुजर रहे थे। उन्होंने एक कीड़े को तेजी से भागते हुए देखा। मन में सवाल उठा- एक छोटा सा कीड़ा इतनी तेजी से क्यों भागा जा रहा है? उन्होंने कीड़े से पूछा- ऐ क्षुद्र जंतु! तुम इतनी तेजी से कहां जा रहे हो? कीड़ा बोला- हे महर्षि, आप तो इतने ज्ञानी हैं, यहां क्षुद्र कौन और महान कौन? क्या इनकी सही-सही परिभाषा संभव है? महर्षि सकपकाए। फिर सवाल किया- अच्छा बताओ कि तुम इतनी तेजी से कहां भागे जा रहे हो? इस पर कीड़े ने कहा-अरे! मैं तो अपनी जान बचाने के लिए भाग रहा हूं। देख नहीं रहे कि पीछे कितनी तेजी से बैलगाड़ी चली आ रही है।

कीडे के उत्तर ने महर्षि को फिर चौंकाया। वह बोले- पर तुम तो इस कीट योनि में पड़े हो। यदि मर गए तो तुम्हें दूसरा और अच्छा शरीर मिलेगा। इस पर कीड़ा बोला- महर्षि! मैं तो कीड़े की योनि में रहकर कीड़े का आचरण कर रहा हूं, पर ऐसे प्राणी बहुत हैं जिन्हें विधाता ने शरीर तो मनुष्य का दिया है, पर वे मुझ कीड़े से भी गया-गुजरा आचरण कर रहे हैं। महर्षि उस नन्हे से जीव के कथन पर सोचते रहे, फिर उन्होंने उससे कहा- चलो, हम तुम्हारी सहायता कर देते हैं। कीड़े ने पूछा- किस तरह की सहायता? महर्षि बोले-तुम्हें उठाकर मैं आने वाली बैलगाड़ी से दूर पहुंचा देता हूं। इस पर कीड़े ने कहा- धन्यवाद! श्रम रहित पराश्रित जीवन विकास के सारे द्वार बंद कर देता है। मुझे स्वयं ही संघर्ष करने दीजिए। महर्षि को कोई जवाब न सूझा।

बढ़ते अपराध और अपराधमुक्त समाज निर्माण की चुनौती

ललित गर्ग

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के ताजा आंकड़े केवल सांख्यिकीय दस्तावेज नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज के उस अंधेरे और भयावह चेहरे को सामने लाते हैं, जिसे अक्सर विकास, आधुनिकता और राजनीतिक उपलब्धियों की चमक में छिपा दिया जाता है। वर्ष 2024 के अपराध आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि भारत आर्थिक, तकनीकी और वैश्विक स्तर पर चाहे जितनी प्रगति कर रहा हो, लेकिन सामाजिक और नैतिक स्तर पर अनेक गंभीर चुनौतियों से घिरा हुआ है। जब देश में हर 17 मिनट में हत्या, हर पांच मिनट में अपहरण, हर 18 मिनट में बलात्कार और लगभग हर दो मिनट में आर्थिक अपराध या धोखाधड़ी हो रही हो, तब यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह पूरे सामाजिक ढांचे, नैतिक मूल्यों और प्रशासनिक तंत्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा हो जाता है। आज हम विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और 2047 तक विश्वगुरु भारत का सपना देख रहे हैं। लेकिन यह सपना तभी साकार हो सकता है, जब समाज भयमुक्त, हिंसामुक्त और अपराधमुक्त बने। अपराधों से ग्रस्त समाज कभी स्वस्थ, संतुलित और आदर्श समाज नहीं बन सकता। यदि समाज का वातावरण असुरक्षा, भय, अविश्वास और हिंसा से भरा होगा, तो विकास की सारी योजनाएं खोखली सिद्ध होंगी। एनसीआरबी के आंकड़े हमें चेतावनी दे रहे हैं कि यदि समय रहते अपराधों की जड़ों को नहीं पहचाना गया और उन पर कठोर अंकुश नहीं लगाया गया, तो यह स्थिति भविष्य में और अधिक विस्फोटक हो सकती है।

विशेष चिंता का विषय महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध हैं। राजस्थान का लगातार छठे वर्ष महिलाओं के विरुद्ध अपराधों में शीर्ष पर बने रहना अत्यंत चिंताजनक है। बलात्कार के मामले में यह पहले स्थान पर, जबरन गर्भपात में दूसरे और भ्रूण हत्या में तीसरे स्थान पर है। विवाह के लिए महिलाओं के अपहरण के मामलों में भी राजस्थान चैथे नंबर पर है। इस अपराध में बिहार टॉप, यूपी दूसरे और पंजाब तीसरे स्थान पर है। बिहार 'पकड़वा विवाह' के लिए भी बदनाम है, जिसमें पुरुषों का अपहरण कर जबरन शादी कर दी जाती है। यदि प्रति लाख आबादी के लिहाज से हत्या की दर का विश्लेषण किया जाए तो झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे छोटे राज्य टॉप पर हैं और उत्तर प्रदेश जैसा बड़ा और अपराधों के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाला राज्य 12वें स्थान पर। इस मामले में मध्यप्रदेश छठे और राजस्थान सातवें पायदान पर खड़ा है। बलात्कार, भ्रूण हत्या, जबरन गर्भपात और विवाह के लिए अपहरण जैसी घटनाएं यह बताती हैं कि सामाजिक चेतना और नैतिक संस्कारों में गंभीर गिरावट आई है। महिलाओं के प्रति सम्मान, संवेदना और सुरक्षा की भावना कमजोर हुई है। यह विडंबना ही है कि एक ओर हम 'नारी शक्ति' और 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' जैसे अभियान चला रहे हैं, वहीं दूसरी ओर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के आंकड़े भयावह रूप लेते जा रहे हैं। यह केवल कानून की कमजोरी नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता की विकृति का भी परिणाम है। आज अपराध का स्वरूप भी तेजी से बदल रहा है। पहले अपराध सड़कों और गलियों तक सीमित थे, लेकिन अब इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने अपराध को नया चेहरा दे दिया है। साइबर अपराध, डिजिटल फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी और डेटा चोरी जैसे अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। यह 'सॉफ्टवेयर क्राइम' का नया युग है, जहां अपराधी बिना हथियार और बिना जोखिम उठाए करोड़ों की ठगी कर रहे हैं। इससे स्पष्ट है कि अब केवल परंपरागत पुलिसिंग से काम नहीं चलेगा। पुलिस और जांच एजेंसियों को डिजिटल फॉरेंसिक, साइबर सुरक्षा और डेटा एनालिटिक्स जैसे आधुनिक साधनों से लैस करना होगा। अपराध की नई दुनिया से लड़ने के लिए नई सोच और नई तकनीक की जरूरत है।

हालांकि कुछ संगीन अपराधों में मामूली कमी दर्ज की गई है, लेकिन इसे बहुत बड़ी उपलब्धि मान लेना आत्मप्रवंचना होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि नई भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू होने के बाद कई अपराधों को संज्ञेय अपराधों की सूची से हटाया गया है, जिससे आंकड़ों में कमी दिखाई दे रही है। इसलिए अपराध के आंकड़ों का केवल सतही अध्ययन पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी गहराई से समीक्षा और विश्लेषण आवश्यक है। हमें यह समझना होगा कि अपराध केवल कानूनी समस्या नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक कारणों से पैदा होने वाली जटिल चुनौती है। अपराध के बढ़ने में सबसे बड़ा कारण नशा है। आज तो महिलाओं में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति अधिक चिन्ताजनक है। सबसे गंभीर संकेत विद्यार्थियों और बेरोजगार युवाओं में बढ़ती आत्महत्याओं के मामले हैं। यह स्थिति बताती है कि समाज में निराशा, असुरक्षा और भविष्य के प्रति अनिश्चितता का वातावरण गहराता जा रहा है। बेरोजगारी, प्रतिस्पर्धा, शिक्षा का बढ़ता दबाव, पारिवारिक अपेक्षाएं और सामाजिक तुलना युवाओं को मानसिक तनाव की ओर धकेल रही हैं। जब युवा अपने जीवन को अर्थहीन समझने लगें, तब यह केवल व्यक्तिगत त्रासदी नहीं होती, बल्कि राष्ट्र के भविष्य के लिए खतरे की घंटी होती है। इसलिए अपराध और आत्महत्या जैसी समस्याओं को केवल पुलिस या अदालतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। इसके लिए शिक्षा, परिवार, समाज और शासन-सभी को मिलकर काम करना होगा। अपराध बढ़ने के पीछे एक बड़ा कारण नैतिक मूल्यों का क्षरण भी है। उपभोक्तावाद, भौतिकता और त्वरित सफलता की अंधी दौड़ ने व्यक्ति को संवेदनहीन और स्वार्थी बना दिया है। आज सफलता का मापदंड केवल पैसा और शक्ति बन गया है। जब समाज में ईमानदारी, संयम, करुणा और नैतिकता की जगह छल, लालच और प्रतिस्पर्धा ले लेते हैं, तब अपराध स्वाभाविक रूप से बढ़ते हैं। परिवारों में संवाद कम हुआ है, संस्कार कमजोर हुए हैं और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना घटती जा रही है। सोशल मीडिया और मनोरंजन के अनेक माध्यमों ने भी हिंसा, अश्लीलता और त्वरित लाभ की मानसिकता को बढ़ावा दिया है। ऐसे में नई पीढ़ी का भटकना स्वाभाविक हो जाता है।

यह भी सच है कि कई बार अपराधियों में कानून का भय समाप्त होता जा रहा है। मुकदमों का वर्षों तक लंबित रहना, राजनीतिक संरक्षण, भ्रष्टाचार और कमजोर जांच व्यवस्था अपराधियों के मनोबल को बढ़ाते हैं। यदि अपराधी यह महसूस करने लगें कि वे आसानी से बच सकते हैं, तो अपराधों पर नियंत्रण कठिन हो जाता है। इसलिए न्याय व्यवस्था को तेज, पारदर्शी और प्रभावी बनाना समय की मांग है। अपराध के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनानी होगी। कानून का भय तभी स्थापित होगा, जब अपराधी को शीघ्र और निष्पक्ष दंड मिलेगा। लेकिन केवल सरकार और पुलिस को दोष देकर समाज अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकता। अपराधमुक्त समाज का निर्माण सामूहिक चेतना और सामाजिक सहभागिता से ही संभव है। समाज सुधारकों, शिक्षकों, धार्मिक संस्थाओं, सामाजिक संगठनों और परिवारों को भी अपनी भूमिका निभानी होगी। बच्चों और युवाओं में नैतिक शिक्षा, संवेदनशीलता, सह-अस्तित्व और मानवीय मूल्यों का विकास करना होगा। समाज को ऐसी सकारात्मक दिशा देनी होगी, जहां व्यक्ति केवल अधिकारों की नहीं, बल्कि कर्तव्यों और सामाजिक उत्तरदायित्व की भी चिंता करे। आज आवश्यकता केवल अपराध रोकने की नहीं, बल्कि अपराध पैदा करने वाली परिस्थितियों को समाप्त करने की है। गरीबी, बेरोजगारी, नशाखोरी, अशिक्षा, सामाजिक असमानता, पारिवारिक विघटन और मानसिक तनाव जैसी स्थितियां अपराध की जमीन तैयार करती हैं। यदि इन कारणों पर गंभीरता से काम नहीं किया गया, तो अपराधों की संख्या घटाना कठिन होगा। इसलिए विकास की अवधारणा को केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं रखा जा सकता। वास्तविक विकास वही है, जिसमें समाज सुरक्षित, संतुलित और मानवीय बने।

भारतीय दर्शनों में आत्मा का स्वरूप

संजय गोस्वामी

जीव अर्थात् जीता है, जीवत्व और आयुष्य कर्म का अनुभव करता है, इससे प्राणी का नाम जीव है-जाहा जीवेति, जीवत्तं, आउयं, च कम्मं उपजीवति तम्हा 'जीवे' त्ति वत्तव्वं सिया भगवती सूत्र में जीव के तेईस नाम बताये गए हैं1-1. जीव, 2. जीवास्तिकाय, 3. प्राण,4. भूत, 5. सत्व, 6. विज्ञ, 7. वेद, 8. चेता 9. जेता, 10. आत्मा,11. रंगण, 12. हिंडुक, 13. पुद्गल, 14. मानव, 15. कत्रा, 16. विकर्ता, 17. जगत, 18. जन्तु, 19. योनि, 20. स्वयंभूत, 21. सशरीरी, 22. नायक और 23. अन्तरात्मा।

जीव-जीने का अर्थ है-'प्राणों का धारण करना'। जीवत्व का अर्थ है-उपयोग, ज्ञान और दर्शन सहित होना। आयुष्य कर्म के अनुभव का अर्थ है-निश्चित जीवन अवधि का उपयोग। जितने भी संसारी जीव हैं, सब प्राण सहित हैं। ज्ञान और दर्शन जो जीव मात्र के स्वाभाविक गुण हैं। हर एक प्राणी की अपनी-अपनी आयुष्य होती है। इस तरह जीते रहने से प्राणी जीव कहलाता है। जीव अपने कमार्नुसार अनेक देह धारण करता है। परन्तु छोटे से छोटे और बड़े से बड़े शरीर में भी उसके असंख्यात प्रदेशीपन में कमी या अधिकता नहीं होती। चींटी और हाथी दोनों के जीव असंख्यात प्रदेशी हैं। आत्मा-चैतन्य लक्षण, चैतन्य स्वरूप या चैतन्य गुण पदार्थ का नाम आत्मा है। ऐसी आत्माएँ अनन्त है। उनकी सत्ता स्वतंत्र है। वे किसी दूसरी आत्मा या परमात्मा के अंश नहीं हैं। प्रत्येक आत्मा की चेतना अनन्त होती है, अनन्त प्रमेयों को जानने में सक्षम होती है। चैतन्य स्वरूप की दृष्टि से सब आत्माएँ समान होती हैं, किन्तु चेतना का विकास सबमें समान नहीं होता।चैतन्य विकास के तारतम्य का निमित्त कर्म है। प्राण-जीव श्वास निःश्वास करता है, इससे वह प्राणी है। आत्मा ही कत्रा है। कत्रा का अर्थ है-कर्मों का कत्रा-कत्त ति कत्रा कर्मणाम्। 'आत्मसिद्धि' नामक पुस्तक में कहा गया है-जड़ में चेतना नहीं होती, केवल जीव में ही चेतना होती है। बिना चेतन प्रेरणा के कर्म, कर्म का बंधन कैसे होगा? अतः जीव ही कर्म का बंधन करता है, क्योंकि चेतन प्रेरणा जीव के ही होती है। जब तक जीव कर्म बंधन करता है, तभी कर्म बंध होते हैं। कर्म करना जीव की इच्छा पर रहने से यह भी नहीं कहा जा सकता कि आत्मा सहज स्वभाव से ही कर्मों का कत्रा है। इससे यह सिद्ध हुआ कि कर्म करना जीव का आत्म-धर्म नहीं है, क्योंकि ऐसे होने से कर्म का बंधन उसकी इच्छा पर निर्भर नहीं करता, यह भी कहना ठीक नहीं है कि जीव असंग है और केवल कर्म प्रवृत्तियां ही कर्म-बंध करती हैं, ऐसा होता तो जीव का असली स्वरूप कभी का मालूम हो जाता। कर्म करने में ईश्वर की भी कोई प्रेरणा नहीं हो सकती, क्योंकि ईश्वर सम्पूर्ण शुद्ध स्वभाव का होता है। उसमें इस प्रेरणा का आरोपण करने से तो उसे ही सदोष ठहरा देना होगा। इससे यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि 'आत्मा ही कर्मों का बंधन करता है। जब जीव अपने चैतन्य स्वभाव में रमण करता है तो वह अपने शुद्ध स्वभाव का कत्रा होता है और जब विभाव भाव में रमण करता है तो कर्मों का कत्रा कहलाता है।' प्रागैतिहासिक काल की घटना है। जैन धर्म के आदि तीर्थंकर भगवान ऋषभ इसधरती पर थे। एक दिन उनके अट्ठानवे पुत्र मिलकर आये। उन्होंने भगवान से प्रार्थना की-'भरत ने हम सबके राज्य छीन लिये हैं। हम अपना राज्य पाने की इच्छा लिए आपकी शरण में आये हैं।' भगवान् ने कहा-'मैं तुम्हें वह राज्य तो नहीं दे सकता किन्तु ऐसा राज्य दे सकता हूँ, जिसे कोई छीन न सके।' पुत्रों ने पूछा-'वह राज्य क्या है?' भगवान् ने कहा-'वह राज्य है-आत्मा की उपलब्धि'। पुत्रों ने पूछा-वह कैसे हो सकती है तब भगवान ने कहा-

संबुज्झह किं न बुज्झह, सेवोहि खलु पेच्च दुल्लहा।
नो हू वणमंति राइयो, णो सुलभं पुणराति जीवियं।।

'संबोधि को प्राप्त करो। तुम संबोधि को प्राप्त क्यों नहीं कर रहे हो। बीती रात लौटकर नहीं आती। यह मनुष्य जीवन भी बार-बार सुलभ नहीं है।'

जैन धर्म के साथ सम्बोधि का प्रागैतिहासिक सम्बन्ध है। संबोधि क्या है? वह है आत्म-मुक्ति का मार्ग। सब मार्ग जो हमें आत्मा की सम्पूर्ण स्वाधीनता की ओर ले जाते हैं, एक शब्द में संबोधि कहलाते हैं। बोधि के तीन प्रकार हैं-ज्ञान बोधि, दर्शन बोधि, चारित्र बोधि। जैन दर्शन का यह अभिमत है कि हम कोरे ज्ञान से मुक्ति को नहीं पा सकते, कोरे दर्शन और चारित्र से भी उसे नहीं पा सकते।उसकी प्राप्ति तीनों के समवाय से अर्थात अविकल सम्बोधि से हो सकती है। जैन धर्म के मुख्य सिद्धान्त हैं- 1. आत्मा है।2. उसका पुनर्जन्म होता है।3. वह कर्मों की कत्रा है।4. वह कृत कर्म के फल का भोक्ता है।

वैश्विक संकट के दौर में दूरगामी सोच का परिणाम है प्रधानमंत्री की अपील

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

वैश्विक संकट के चलते देश-दुनिया की इकोनोमी पर पड़ने वाले संभावित असर को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देशवासियों से दूरदृष्टियुक्त अपील से कोरोना काल की याद ताजा हो रही है तो पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लालबहादुर शास्त्री की तत्कालीन अन्न संकट के दौरान सप्ताह में एक दिन के उपवास के आग्रह की और चला जाता है।

ऐसा नहीं है कि भारत विदेशी मुद्रा के मामलें में संकट में हो बल्कि वास्तविकता तो यह है कि 10 अप्रेल, 2026 के आंकड़ों की ही बात करें तो भारत का विदेशी मुद्रा भण्डार आज उच्चतम स्तर पर है। 700 बिलियन अमेरिकी डालर से अधिक का विदेशी मुद्रा भण्डार भारत के पास है। एक मोटे अनमुन के अनुसार आगामी 11 माह से अधिक समय तक आयात मांग की पूर्ति इस राशि से आसानी से हो सकती है। विदेशी मुद्रा भण्डार से एफसीए यानी कि विदेशी मुद्रा संपत्ति, स्वर्ण भण्डार और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में आरक्षित राशि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। पर इसके सबके बावजूद भविष्य के संभावित संकट के हालातों से निपटने की आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी की जाती है तो यही दूरदृष्टि कहलाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भविष्य के वैश्विक हालात साफ दिखाई दे रहे हैं। हालातों में सुधार की संभावना निकट भविष्य में दिखाई भी नहीं दे रही है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केवल एक वर्ष के लिए अनावश्यक खर्चों में कटौती का आग्रह देशवासियों से किया है। इसमें ईंधन बचाना, सोना नहीं खरीदने, विदेशी यात्राओं व विदेशों में शादी नहीं करने, खाने के तेल के उपयोग में 10 प्रतिशत तक की कटौती व खेती में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में 50 प्रतिशत तक की कटौती करने का सुझाव प्रमुख है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देशवासियों से आग्रह को लेकर आलोचक भले ही मुद्दा बनाने का प्रयास करें पर वैश्विक हालात आज सबके सामने हैं। देशवासियों को मालूम है कि पेट्रोलियम उत्पादों इनमें कच्चे तेल से लेकर गैस आदि आदि शामिल है आदि के लिए आयात पर निर्भरता अधिक है। देश में 979 अरब अमेरिकी डॉलर का सालाना आयात होता है जिसमें से करीब 38 प्रतिशत आयात केवल और केवल पेट्रोलियम पदार्थों पर ही हो रहा है। सोना-चांदी और इलेक्ट्रोनिक्स के साथ ही फर्टिलाइजरों के मामलें में भी विदेशों पर निर्भरता अधिक है। करीब 10 प्रतिशत राशि सोने के आयात पर खर्च होती है। यदि समग्र रुप से देखा जाए तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तेलंगाना के सिकन्दराबाद से देशवासियों से जो आग्रह किया है वह ऐसा नहीं है जो किसी भी तरह से देशवासियों के लिए दुबिधाजनक हो।

वैश्विक संकट के चलते देश-दुनिया की इकोनोमी पर पड़ने वाले संभावित असर को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देशवासियों से दूरदृष्टियुक्त अपील से कोरोना काल की याद ताजा हो रही है तो पूर्व प्रधानमंत्री स्व. लालबहादुर शास्त्री की तत्कालीन अन्न संकट के दौरान सप्ताह में एक दिन के उपवास के आग्रह की और चला जाता है। अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध सीजफायर के आसार अभी दिखाई नहीं दे रहे हैं तो दूसरी और दोनों ही देशों की हठधर्मिता के कारण हार्मुज जलडमरुमध्य से परिवहन बाधित होने का परिणाम दुनिया के देशों के सामने हैं। दुनिया के देशों को यह समझ लेना होगा कि अमेरिका-ईरान युद्ध केवल दो या तीन देशों के बीच युद्ध तक सीमित ना होकर इसके असर से आज कोई देश दूर दूर तक अछूता नहीं दिखाई दे रहा है। यह दो देशों की अहम् की लड़ाई ना होकर समूची मानवता को प्रभावित करने वाले हालात है। आज दुनिया के देशों की एक दूसरे पर निर्भरता बढ़ी है। बिना किसी अन्य देश के सहयोग के कोई भी देश अपने स्तर पर अपने देशवासियों की आवश्यकताओं को पूरा करने की स्थिति में नहीं है। आर्थिक उदारीकरण के बाद से आज विश्व विश्व ग्राम में परिवर्तित हो गया है। एक बात यह भी साफ हो जानी चाहिए कि आज अमेरिका-इजरायल और ईरान संकट का हल निकल भी आता है तब भी वैश्विक हालात सामान्य होने में लंबा समय लग जाएगा। युद्धरत देश यह समझने की कोशिश नहीं कर रहे कि उनके अहम् के चलते दुनिया आज सालों पीछे जा रही है। विकास बाधित हो रहा है, आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हो रही है और हालात दिन प्रतिदिन बिगड़ते ही जा रहे हैं।

आज सबको मालूम है कि अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते रास्ता अवरुद्ध होने के कारण कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का आयात प्रभावित हो रहा है। हार्मुज का रास्ता अवरुद्ध है। हालात की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि ईरान को प्रतिदिन 2800 करोड़ रुपए के कच्चे तेल को समुद्र में बहाना पड़ रहा है। तेल उत्पादक अन्य देश भी संकट के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में जीवाश्म ईंधन के उपयोग में कमी लाने, सार्वजनिक परिवहन वाहनों के उपयोग और वाहन पूलिंग का एक साल का सुझाव या आग्रह दूरदृष्टिपूर्ण व देशहित में ही माना जाना चाहिए। इसके साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग का बढ़ावा देना भविष्य के पर्यावरण संकट से बचाव और हरित उर्जा को बढ़ावा देने में ही सहायक हो सकेगा। इसी तरह से हमारे देश में सोने के खरीद के प्रति खास मोह रहता आया है पर हालातों को देखते हुए व्यापक राष्ट्रहित में एक साल के लिए सोना नहीं खरीदे तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। इसी तरह से केवल शानों शोकत के लिए विदेशी यात्राएं करने से बचने की सलाह और विदेशों में शादी करने के स्थान पर स्थानीय पर्यटन और देश में ही एक से एक बेहतरीन वेडिंग डेस्टिनेशंस पर शादी करने से जहां खर्च कम होगा, देश के डेस्टिनेशनों की वैश्विक पहचान के साथ ही विदेशी पूंजी भी बचेगी। इसी तरह से रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से खेती और खेतों की उर्वरा शक्ति प्रभावित होने से आज देश दो चार हो रहा है। जैविक खाद और जैविक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। ऐसे में रासायनिक उर्वरकों के उपयोग को सीमित करने का आग्रह निश्चित रुप से सकारात्मक ही है। जहां तक मीटिंग्स का प्रश्न है कोविड़ के बाद से सरकारी और गैरसरकारी स्तर पर अधिकांष मीटिंग्स अब हाईब्रीड मोड पर ही होने लगी है। वर्कफ्राम होम को अवश्य प्रोत्साहित किया जा सकता है।

लब्बो-लबाब यह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो देशवासियों से आग्रह किया है उनमें से एक भी ऐसा आग्रह नहीं है जिससे हमारे दैनिक जीवन चर्या प्रभावित हो रही हो। एक भी ऐसा बिन्दु नहीं है जिससे आमजन प्रभावित हो रहा हो। सीधे सीधे एक साल के लिए अपनी आदत व आवश्यकताओं में जरुरी बदलाव के लिए कहा जा रहा है ताकि वैश्विक संकट का असर देश की अर्थव्यवस्था व देश के आमलोगों को प्रभावित ही ना कर सकें। एक साल सोना नहीं खरीदने या ईवी वाहन या सार्वजनिक वाहन का उपयोग या विदेशों में शादी आदि कार्यक्रम आयोजित ना करने या विदेश घूमने नहीं जाने से कोई खास फर्क नहीं पड़ने वाला हैं। इसलिए इन सबसे बचने से देश वैश्विक हालातों का अधिक कुशलता से मुकाबला कर सकेगा और सबसे बड़ी बात की स्वदेशी को बढ़ावा मिलेगा। इसलिए आलोचना प्रत्यालोचना से ऊपर उठना होगा। यह देश नेता की एक आवाज पर आगे आना वाला देश है कोविड का समय और स्व. लालबहादुर शास्त्री के एक दिन के उपवास का आग्रह इसके प्रत्यक्ष उदाहरण है।

सोनोग्राफी रोग का पता लगाने की एक जांच विधि है। इसके लिए जो मशीन इस्तेमाल में लाई जाती है, उससे अल्ट्रासाउंस वेव्स उत्पन्न की जाती हैं। जब इन तरंगों को शरीर के किसी खास हिस्से के ऊपर प्रवाहित किया जाता है, तो सोनोग्राफी मशीन से जुड़ी एक स्क्रीन पर संबंधित अंग, टिश्यू और शरीर के उस हिस्से में हो रहे रक्त संचार की तस्वीरें नजर आने लगती हैं। तस्वीरें लेने की इस प्रक्रिया को ही चिकित्सा क्षेत्र की कामकाजी शब्दावली में सोनोग्राफी या अल्ट्रासाउंड स्कैन कहा जाता है।

अल्ट्रासाउंड टेक्निशियन

रोग की जड़ तक पहुंचाने का पेशा

अल्ट्रासाउंड टेक्निशियन को ही सोनोग्राफर कहा जाता है। पैरामेडिकल क्षेत्र के ये पेशेवर कुछ विशेष उपकरणों की मदद से मरीजों के रोगग्रस्त अंगों की तस्वीरें लेते हैं। सोनोग्राफी रोग का पता लगाने की एक जांच विधि है। इसके लिए जो मशीन इस्तेमाल में लाई जाती है, उससे अल्ट्रासाउंस वेव्स (उच्च फ्रिक्वेंसी वाली ध्वनि तरंगें) उत्पन्न की जाती हैं। जब इन तरंगों को शरीर के किसी खास हिस्से के ऊपर प्रवाहित किया जाता है, तो सोनोग्राफी मशीन से जुड़ी एक स्क्रीन पर संबंधित अंग, टिश्यू और शरीर के उस हिस्से में हो रहे रक्त संचार की तस्वीरें नजर आने लगती हैं। तस्वीरें लेने की इस प्रक्रिया को ही चिकित्सा क्षेत्र की कामकाजी शब्दावली में सोनोग्राफी या अल्ट्रासाउंड स्कैन कहा जाता है।

इसी तरह इस प्रक्रिया को संपन्न करने वाले पेशेवरों को सोनोग्राफर कहा जाता है। जिन सोनोग्राफरों के पास इमेजिंग और रक्त शिराओं का टेस्ट करने में विशेषज्ञता होती है, उन्हें वस्कुलर टेक्नोलॉजिस्ट कहा जाता है। सोनोग्राफी की जरूरत रोगी के शरीर (खासकर रोगप्रभावित अंग) को अंदर से देखने की यह एक ऐसी तकनीक है, जिसमें शरीर के साथ किसी भी तरह की चीर-फाड़ करने की जरूरत नहीं होती। सोनोग्राफी की इस खासियत के कारण इसका इस्तेमाल शरीर के कई अंगों मसलन पेट, स्तन, हृदय, रक्त नलिकाओं, प्रजनन संबंधी अंगों और पौरुष ग्रंथि आदि की जांच के लिए किया जाता है।

हृदय रोगों, हृदयाघात और नाड़ी संबंधी रोगों की पहचान और उनके उपचार में सोनोग्राफी का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। यही नहीं कैंसर की जांच के लिए होने वाले बायोप्सी टेस्ट में भी सोनोग्राफी मददगार साबित हो रही है। कैंसर की आशंका वाले अंग में बीमारी का पता लगाने के लिए एक बारीक सुई की सहायता से संबंधित अंग से कोशिकाओं (सेल) का थोड़ा-सा नमूना लिया जाता है, जिसकी बाद में प्रयोगशाला में जांच की जाती है। इस प्रक्रिया के दौरान जब सुई को शरीर में प्रवेश कराया जाता है, तब सोनोग्राफी के माध्यम से ही देखा जाता है कि सुई तय स्थान पर पहुंच रही है या नहीं। स्पेशलाइजेशन के क्षेत्र (सोनोग्राफी में) ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजिक सोनोग्राफी एब्डोमिनल सोनोग्राफी (लीवर, किडनी, गालब्लैडर और पैनक्रियाज) न्यूरोसोनोग्राफी (मस्तिष्क) ब्रेस्ट सोनोग्राफी वस्कुलर सोनोग्राफी (ब्लड वेसल्स) कार्डियक सोनोग्राफी (हर्ट) सोनोग्राफर का काम अस्पताओं, नर्सिंग होम और तमाम छोटे-बड़े चिकित्सा संस्थानों में सोनोग्राफर को नियुक्त किया जाता है। वहां वह अपने नियोक्ता संस्थान की जरूरत के अनुसार डायग्नोस्टिक इमेजिंग डिपार्टमेंट, ऑपरेशन थियेटर और आईसीयू (इंटेंसिव केअर यूनिट) आदि में डॉक्टरों और नर्सो के साथ काम करना होता है। उनके काम का मुख्य हिस्सा होता है,

सोनोग्राफी के लिए उपकरणों को व्यवस्थित करना और मरीजों को सही पोजिशन में आने के लिए निर्देशित करना, ताकि बेहतर जांच रिपोर्ट मिल सके। इसके अलावा वह सोनोग्राफी के दौरान स्क्रीन पर यह भी देखते हैं कि रोगी के जिस अंग का चित्र (इमेज) लिया गया है, उससे रोग की पहचान संभव होगी या नहीं। वह लिए गए कई चित्रों में से उन्हीं चित्रों को अंतिम रूप से चुनते हैं, जिनके आधार पर डॉक्टर मरीज में रोग के होने या न होने के निष्कर्ष तक पहुंच सकें। सोनोग्राफर को अपने मूल कार्यो के अलावा कुछ अतिरिक्त कार्य भी करने होते हैं। इनमें रोगियों के रिकॉर्ड को रखना, उपकरणों का रख-रखाव और मरीजों को जांच के लिए समय देना आदि शामिल होता है। कई बार उन्हें पूरे डायग्नोस्टिक इमेजिंग विभाग के प्रबंधन संबंधी कार्यो को भी देखना होता है।

योग्यता

देश के कई शिक्षण संस्थानों में सोनोग्राफी के पाठ्यक्रमों का संचालन हो रहा है। यहां से सर्टिफिकेट से लेकर बैचलर डिग्री तक हासिल की जा सकती है। सोनोग्राफर बनने के लिए संबंधित विषय क्षेत्र में कम से कम सर्टिफिकेट कोर्स पास होना जरूरी है।

जरूरी गुण

- » निरीक्षण करने की बेहतर दृष्टि
- » अच्छा संवाद कौशल
- » मरीजों के प्रति नरम रवैया
- » लंबे समय तक काम करने की शारीरिक क्षमता
- » अपने क्षेत्र की नई तकनीकों की जानकारी धैर्य और सहनशीलता
- » रोगियों का विश्वास जीतने का हुनर

चुनौतीपूर्ण पेशा है मसाज थेरेपिस्ट

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में लोगों के लिए खुलकर सांस ले पाना भी मुश्किल हो गया है। बढ़ती स्पर्धा के कारण कम या ज्यादा तनाव का रहना भी रोजमर्रा की बात हो गई है। दैनिक जीवन से जुड़ी इन थका देने वाली समस्याओं से पार पाने के लिए लोग नए उपायों को तलाश रहे हैं। मसाज ऐसा ही एक उपाय है, जो व्यक्ति को आराम पहुंचाकर उसे फिर से ऊर्जा से भर देता है। अगर आप उपचार की वैकल्पिक पद्धतियों में विश्वास करते हैं और अपने हाथों से काम करने में खुशी महसूस करते हैं, तो आप मसाज थेरेपिस्ट के रूप में काम कर सकते हैं।

मसाज की शुरुआत

उपचार की एक विधा के रूप में मसाज के प्रयोग का आरंभ जिन परंपराओं और तकनीकों से हुआ, उनके प्रमाण प्राचीन इतिहास में मिलते हैं। भारत में मसाज थेरेपी की शुरुआत करीब तीन हजार ईसा पूर्व में हुई थी। आधुनिक समय में मसाज के लाभकारी प्रभावों को नए सिरे से तलाशा जा रहा है। मसाज थेरेपी की उपयोगिता के कारण इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। इस वजह से वैकल्पिक स्वास्थ्य सेवाओं पर आधारित उद्योग क्षेत्र (वेल्नेस इंडस्ट्री) के दायरे में भी वृद्धि हुई है। नतीजा पेशेवर मसाज थेरेपिस्टों की मांग भी पैदा हो रही है।

पेशे के रूप में मसाज थेरेपिस्ट के काम को देखें, तो यह एक ऐसा कार्य है, जो अच्छी कमाई के साथ-साथ क्लाइंट (मसाज कराने वाले) से दुआएं और शुभकामनाएं पाने का मौका देता है। लोग किसी मसाज थेरेपिस्ट के पास इसलिए जाते हैं, ताकि वह तनाव और चिंता से मुक्त होकर शारीरिक और मानसिक सुकून हासिल कर सकें। उम्मीद के मुताबिक मसाज थेरेपिस्ट की सेवा का लाभ मिलने पर क्लाइंट खुद को इतना आनंदित महसूस करते हैं कि संबंधित थेरेपिस्ट के प्रति कृतज्ञता भी व्यक्त करने लगते हैं।

मसाज थेरेपिस्ट का कार्य

मसाज के दौरान उंगुलियों, हथेलियों और कोहनी का इस्तेमाल करके क्लाइंट के शरीर की मालिश की जाती है। इससे शरीर में रक्त का प्रवाह बेहतर होता है, तंत्रिकाओं की सक्रियता बढ़ती है और मांसपेशियों को आराम मिलता है। इन लाभों की वजह से ही मसाज थेरेपी का प्रयोग तनाव, थकान, पुरानी बीमारियों और दुर्घटनाओं के कारण शरीर को पहुंची चोटों के ईलाज में किया जाता है। मसाज थेरेपिस्ट अपना काम शुरू करने से पहले मसाज के लिए आने वाले मरीजों की मेडिकल हिस्ट्री, खानपान और जीवनशैली से जुड़ी आदतों का अध्ययन करते हैं। फिर अपने निष्कर्षो के आधार पर थेरेपिस्ट संबंधित क्लाइंट के लिए उपचार की एक योजना (ट्रीटमेंट प्लान) तैयार करते हैं। क्लाइंट के शारीरिक लक्षणों और उपचार के प्रभाव को देखते हुए वह उपचार योजना में बदलाव भी करते हैं। मसाज के लिए थेरेपिस्ट कई तरीकों का इस्तेमाल करते हैं। कभी वह क्लाइंट के तनाव को कम करने के लिए मसाज के दौरान शरीर के कुछ भागों पर अतिरिक्त दबाव देते हैं, तो कभी खास औषधीय गुण वाले तेलों का प्रयोग करते हैं। रोग की प्रकृति के अनुसार मसाज थेरेपी की अवधि भी अलग-अलग होती है। यह कुछ महीने से लेकर सालभर तक हो सकती है। उपचार के बाद थेरेपिस्ट अपने क्लाइंट को बेहतर दिनचर्या

और स्वास्थ्य के लिए जरूरी सलाह भी देते हैं। वह क्लाइंट के स्वास्थ्य और उपचार से संबंधित विस्तृत रिकॉर्ड भी रखते हैं, जो जरूरत के समय क्लाइंट के डॉक्टर या फिजियोथेरेपिस्ट के लिए मददगार साबित होते हैं। यह पेशा काम के लंबे घंटों की मांग करता है। क्लाइंट की आवश्यकता और उनकी संख्या के अनुसार लगातार घंटों तक काम करना पड़ सकता है। कई बार साप्ताहिक अवकाश और शाम के समय भी काम करना पड़ जाता है। आमतौर पर किसी एक क्लाइंट के मसाज पर 45 मिनट से दो घंटे तक का वक्त देना पड़ता है। समय की यह अवधि क्लाइंट की चिकित्सकीय जरूरत पर निर्भर करती है।

रोजगार के अवसर

मसाज थेरेपिस्ट को स्पा, ब्यूटी सलून, हॉलिस्टिक हेल्थ क्लिनिक, फिटनेस सेंटर में नियुक्त किया जाता है। इसके अलावा उन्हें खिलाड़ियों को चुस्त-दुरुस्त रखने के लिए खेल टीमों और स्पोर्ट्स क्लबों में भी रखा जाता है। नौकरी करने का मन न होने पर मसाज थेरेपिस्ट स्वतंत्र रूप से भी काम कर सकते हैं। अपनी इस भूमिका में वह क्लाइंट के घर जाकर या उसके कार्यस्थल पर पहुंचकर अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

मसाज के हैं कई प्रकार

» अरोमाथेरेपी मसाज » थाई मसाज »हॉट स्टोन मसाज
» आयुर्वेदिक मसाज » रिफ्लेक्सोलॉजी शिअत्सु

आसान नहीं चॉकलेट-टेस्टर का जॉब

सोचिए, अगर हर दिन आपको चॉकलेट टेस्ट करने को मिले और इसके लिए आपको पैसा भी मिले, तो कितना मजा आए! चॉकलेट टेस्टर ऐसे ही प्रोफेशनल होते हैं, जिनका काम अलग-अलग फ्लेवर के चॉकलेट्स को चखना होता है। खाने की कोई चीज टेस्ट करना स्वाद के शौकीनों के लिए हमेशा से आकर्षक होता है। ऐसे में, जिन्हें चॉकलेट से लगाव है, वे चॉकलेट टेस्टर के रूप में करियर संवार सकते हैं।

हालांकि चॉकलेट टेस्टर सिर्फ चॉकलेट का स्वाद ही नहीं जांचता, वह विभिन्न कैंडीज की जांच भी करता है कि उनमें चॉकलेट की कोटिंग की चमक-दमक सही है या उसमें किसी तरह की दरार तो नहीं है। साथ ही, वह चॉकलेट की महक को भी चेक करता है। टेस्टर चॉकलेट की बाइट लेकर कुछ सेकंड के लिए मुंह में रखता है और घुलने के देकर उसका पूरा फ्लेवर लेता है। वह इस बात को भी सुनिश्चित करता है कि घुलने के बाद चॉकलेट पूरे मुंह में फैल जाती हो, सिर्फ एक तरफ न रहती हो। मगर यह इतना टेस्टी मामला भी नहीं होता। चॉकलेट टेस्टर को कई बार खराब चॉकलेट भी टेस्ट करना पड़ जाता है!

कई बार टेस्टर दिन भर किसी छोटे-से कमरे में बंद रहता है और वहां लाल लाइट जलती रहती है, ताकि उसे चॉकलेट की पहचान न हो पाए और वह सही मूल्यांकन कर सके। एख टेस्टर को दिन भर में 25 से 30 तरह के चॉकलेट टेस्ट करने पड़ सकते हैं। सोचिए, जीभ की क्या हालत होती होगी! चॉकलेट टेस्टिंग वास्तव में एक कला है, जो नियमित अभ्यास मांगती है। इसके बाद ही कोई इसमें कुशलता हासिल कर सकता है।चॉकलेट एक ऐसा उत्पाद है, जिसका बाजार कभी खत्म नहीं हो सकता। चॉकलेट टेस्टिंग अब एक बेहतर प्रोफेशन का रूप ले चुका है। अगर आप चॉकलेट टेस्टर बनना चाहते हैं, तो आपको कुछ स्पेशलाइज्ड ट्रेनिंग हासिल करनी होगी। किसी संस्थान से कोर्स करने के बाद आप किसी एक्सपर्ट चॉकलेटियर के साथ ट्रेनी के रूप में जुड़ सकते हैं, ताकि इस फील्ड में और अनुभव हासिल हो। इसके बाद आप किसी चॉकलेट प्रोडक्शन कंपनी में जॉब कर सकते हैं।

स्किल - उम्मीदवार को चॉकलेट के फ्लेवर, टेक्सचर, वह कैसे मेल्ट, मोल्ड और टैम्पर होती है, इसकी जानकारी होनी चाहिए। उसके पास बेसिक कुकिंग स्किल तथा धैर्य होना चाहिए। साथ ही उसे खुले दिमाग का होना चाहिए। उसे बारीकी पर ध्यान देना आना चाहिए। अपने काम के प्रति पैशन होना बहुत जरूरी है।

कोर्स - भारत में चॉकलेट टेस्टर के लिए स्पेशलाइज्ड कोर्स चलाने वाले कुछ ही संस्थान हैं। इन कोर्से के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं पास है। वैसे अब ग्रेजुएशन के बाद किए जाने वाले कई कोर्स भी उपलब्ध हैं। 12वीं के बाद आप न्यूट्रिशन एंड फूड टेक्नोलॉजी या अप्लाइड साइंस इन फूड टेक्नोलॉजी का कोर्स कर सकते हैं, जिसके तहत चॉकलेट के सिलेक्शन, प्रिजर्वेशन, प्रोसेसिंग, पैकेट डिस्ट्रिब्यूशन, न्यूट्रिशन आदि की जानकारी दी जाती है। इन कोर्सेज के तहत विद्यार्थी को योरप, अमेरिका आदि की चॉकलेट्स की विभिन्न वैरायटी, चॉकलेट का इतिहास, कोको बीन्स, टेस्टिंग, चॉकलेट के एडेड फ्लेवर्स, डिपिंग, टेम्परिंग, मोल्डिंग, डेकोरेटिंग आदि की जानकारी दी जाती है।

सैलरी - शुरूआती दौर में चॉकलेट टेस्टर को 20,000 रुपए महीने की सैलरी मिल सकती है। उसके बाद अनुभव एवं काम के आधार पर यह बढ़ती जाती है। अगर विदेश जाते हैं, तो और भी अच्छी आमदनी कर सकते हैं।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और केकेआर का मुकाबला

रायपुर (एजेंसी)। आईपीएल में बुधवारा को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से होगा।

आरसीबी का लक्ष्य इस मैच को जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाना रहेगा। अंक तालिका में आरसीबी 14 अंक लेकर शीर्ष स्थान पर है। वहीं केकेआर 9 अंक लेकर काफी पीछे हैं और प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही है। इस मैच में अगर केकेआर हारी तो प्लेऑफ से बाहर हो जाएगी। दोनो ही टीमों की तुलना करें तो आरसीबी का इस सत्र में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। वहीं केकेआर के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही है। आरसीबी के पास बल्लेबाजी में कप्तान रजत पाटीदार के अलावा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और फिल साल्ट जैसे खिलाड़ी हैं। वहीं गेंदबाजी में भुवनेश्वन कुमार, जैस हेजलवुड और रोमारियो शेफर्ड हैं। टीम के पास ऋुणाल पांड्या जैसा ऑलराउंडर है। ऋुणाल ने इस सत्र में गेंद और बल्ले से काफी अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं आजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली केकेआर के पास अंगकृष रघुवंशी, रिंकू सिंह, सुनील नरेन के अलावा , कैमरन ग्रीन जैसा ऑलराउंडर है। उसकी गेंदबाजी की कमान स्पिनर वरुण चक्रवर्ती, कार्तिक त्यागी के पास रहेगी। टीम के पास ऑलराउंडर के तौर पर सुनील नरेन और रोवमैन पॉवेल जैसे खिलाड़ी हैं।

आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो के बीच 36 मुकाबले हुए हैं। इसमें से केकेआर ने 20 जबकि आरसीबी ने 15 जीते हैं। वहीं एक मैच का परिणाम नहीं निकला।

टीम इस प्रकार है

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरूः विराट कोहली, जैकब बैथल/फिल साल्ट, रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, ऋुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड, सुयश शर्मा, रसिख सलाम डार।, इम्पैक्ट प्लेयर- देवदत्त पडिक्कल

कोलकाता नाइट राइडर्सः अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, रिंकू सिंह, सुनील नरेन, अनुकूल रॉय, कार्तिक त्यागी, वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती, इम्पैक्ट प्लेयर- फिन एलन

विश्वकप 2027 के लिए भारतीय टीम में जगह बनाना चाहते हैं ऋुणाल

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में रॉयल चैलेंसर्स की ओर से शानदार प्रदर्शन कर रहे ऋुणाल पांड्या का कहना है कि उनका लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वकप के लिए टीम में जगह बनाना है। पांड्या का प्रदर्शन आईपीएल में गेंद और बल्ले दोनो ही अच्छा रहा है। ऐसे में उन्हें उम्मीद है कि चयनकर्ता विश्वकप के लिए उनके नाम पर भी विचार करेंगे। इस क्रिकेटर के अनुसार उनका लक्ष्य केवल आईपीएल में ही अच्छा प्रदर्शन करना नहीं है। उनकी नजरें 2027 एकदिवसीय विश्व कप में अवसर मिलने पर बेहतर खेल दिखाना है। विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित किया जाएगा। ऋुणाल ने मुम्बई इंडियंस के खिलाफ 73 रन बनाकर आरसीबी की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। पांड्या ने साल 2027 विश्व कप में खेलने और राष्ट्रीय टीम में वापसी की अपनी इच्छा जतायी। उन्होंने कहा, जब मैं 6-7 साल का था, तो मैं देश के लिए खेलना चाहता था। अभी भी, यही लक्ष्य है। अगले साल विश्वकप होने वाला है। जिसके लिए मैं जगह बनाना चाहता हूं। मुझे उम्मीद है किमैं अच्छा करता रहूंगा। साथ ही कहा कि अगर मुझे अवसर मिलता है तो ये मेरे परिवार के लिए विशेष अवसर होगा। ऋुणाल करीब पांच साल से टीम से बाहर हैं। जुलाई 2021 में उन्हें अंतिम बार अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का अवसर मिला था। अब तक उन्होंने 5 एकदिवसीय और 19 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। 5 एकदिवसीय मैचों में उन्होंने 65 के प्रभावशाली औसत और 101.56 के स्ट्राइक रेट से 130 रन बनाए हैं, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर नाबाद 58 रन हैथा। वहीं घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन सराहनीय रहा है। लिस्ट ए क्रिकेट में, उन्होंने 98 मैचों में 3001 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 38.47 और स्ट्राइक रेट 88.03 रहा है। इस दौरान उन्होंने 3 शतक और 17 अर्धशतक भी लगाये हैं। एक ऑलराउंडर के रूप में, उन्होंने 118 विकेट भी लिए हैं। इन आंकड़ों और आईपीएल में प्रदर्शन को देखते हुए, ऋुणाल चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचने का प्रयास कर रहे हैं।

गावस्कर को पंजाब और बेंगलुरु के बीच फाइनल होने की उम्मीद

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर का मानना है कि इस बार पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) आईपीएल फाइनल में पहुंचेगी। गावस्कर के अनुसार खेल में मिली हार भी कभी-कभी किसी टीम के लिए लाभदायक साबित होती है, इसलिए पिछले एक दो मैचों में हार से भी पंजाब की दावेदारी कमजोर नहीं हुई है । उन्होंने कहा, मैं अब भी पंजाब किंग्स का समर्थन करूंगा। कई बार कुछ हार टीम को बेहतर तरीके से अपने को तैयार करने का अवसर देती हैं। इससे खिलाड़ी भी अति आत्मविश्वास से बचते हैं। उन्होंने कहए कि दिल्ली कैपिटल्स के पास भी इस सत्र में जीत के कई अवसर थे पर उसने उन्हें गंवा दिया। पंजाब किंग्स इससे सबक लेते हुए अब कोई गलती नहीं करना चाहेगी।

पंजाब किंग्स ने सत्र की शुरुआत से ही प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए शुरुआती सात मैचों में जीत हासिल की थी। हालांकि, इसके बाद टीम को लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा है पर इसके बाद भी 13 अंकों के साथ टीम अभी भी प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। वहीं आरसीबी ने हाल ही में मुंबई इंडियंस के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में आखिरी गेंद पर दो विकेट से जीत दर्ज कर समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं। इस महत्वपूर्ण जीत के साथ, आरसीबी अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गई है, उसने 11 मैचों में अपनी सातवीं जीत हासिल की और प्लेऑफ की ओर मजबूती से कदम बढ़ाए हैं। दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस बाहर हो गयी है। गावस्कर ने मुंबई इंडियंस के बाकी बचे मुकाबलों को लेकर कहा, टी200 क्रिकेट में उतार-चढ़ाव आम बात है। सत्र समाप्त खत्म होने के बाद टीम को अपनी गलतियों का आंकलन चाहिए। लेकिन फिलहाल मुझे लगता है कि सीनियर खिलाड़ियों ने अपना पूरा योगदान दिया है। उन्होंने सुझाव दिया, अब बाकी मैचों में युवा खिलाड़ियों को मौका देना सही रहेगा। इससे फ्रेंचाइजी को यह जानने का मौका मिलेगा कि ये युवा खिलाड़ी दबाव में कैसा प्रदर्शन करते हैं और भविष्य में टीम के लिए कितने उपयोगी साबित हो सकते हैं।

धोनी लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ खेलेंगे?

चेन्नई सुपर किंग्स के अगले मैच से पहले मिला बड़ा संकेत

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के विकेटकीपर महेंद्र सिंह धोनी के बाकी टीम के साथ लखनऊ जाने की उम्मीद है। हालांकि वह इस मैच का हिस्सा होंगे या नहीं यह बात सामने नहीं आई है। लेकिन इससे CSK फैंस में धोनी को एक बार फिर मैदान में खेलते देखने की उम्मीद जरूर जगी है। CSK इंडियन प्रीमियर लीग (CSK) 2026 के अपने अगले मैच में ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ सुपर जाइंट्स (LSG) टीम का सामना करेगी जो शुक्रवार 15 मई को एकाना स्टेडियम में खेला जाएगा। रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली CSK इस मैच को जीतकर प्लेऑफ की दौड़ में बने रहना चाहेगी।

धोनी अपनी पिंडली की चोट के कारण इस सीजन में अब तक एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं। शुरुआती मैचों में तो वे पूरी तरह से टीम से बाहर थे, लेकिन सीजन के बीच में उन्होंने मुंबई इंडियंस (MI) और सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) जैसी टीमों के खिलाफ खेले गए 'अवे' (बाहरी) मैचों के लिए टीम के साथ सफर करना शुरू कर दिया था। हालांकि, कुछ रिपोर्टों में कहा गया था कि वापसी की कोशिश करते समय उनकी चोट और बढ़ गई थी, जबकि कुछ का मानना था कि वे टीम के मौजूदा तालमेल को बिगाड़ना नहीं चाहते, क्योंकि इस तालमेल ने टीम को अच्छे नतीजे दिए हैं। इसी वजह से वे ष्टस्य के हालिया अरुण जेटली स्टेडियम दौरे का हिस्सा नहीं थे, जहाँ टीम ने आठ विकेट से जीत हासिल की थी।

रेवस्पोर्ट्ज की एक रिपोर्ट के अनुसार धोनी लखनऊ जाने वाली टीम का हिस्सा होंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, धोनी के कल लखनऊ जाने की संभावना है।' अगर CSK लखनऊ को हराने में कामयाब हो जाती है, तो उसके पास टॉप चार टीमों में जगह बनाने का मौका होगा। स्स्त पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। ष्टस्य का इस सीजन में अब सिर्फ एक घरेलू मैच बचा है, जो सोमवार 18 मई को शानदार प्रदर्शन कर रही सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के खिलाफ खेला जाएगा।

न्यूजीलैंड की टी20 क्रिकेट लीग अब 2027-28 में शुरु होगी

ऑकलैंड । भारत में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की सफलता से उत्साहित होकर न्यूजीलैड क्रिकेट बोर्ड (एनजेडसी) ने भी साल 2027 से एक टी20 लीग शुरु करने की योजना बनायी थी जो अब टालने पड़ी है । न्यूजीलैड बोर्ड के अनुसार अब ये लीग साल 2027-28 की गर्मियों में शुरु होगा । बोर्ड ने देरी का कारण बताते हुए कहा है कि संभावित निवेशकों और हितधारकों के साथ चल रही बातचीत को अंतिम रूप देने और लीग को सफलतापूर्वक स्थापित करने के लिए अधिक समय की जरुरत महसूस हुई । बोर्ड ने हालांकि कहा कि निवेशकों के साथ उसकी चर्चाएं रचनात्मक रही हैं । जनवरी 2027 में प्रस्तावित लॉन्च को देखते हुए कई तरह के कामों में काफी विकास भी हुआ पर बोर्ड को लगा कि लीग शुरु करने के लिए अभी और काम होने हैं जिसके लिए अतिरिक्त समय की जरुरत है । । लॉन्च में देरी का एक मुख्य कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कैलेंडर भी है । जनवरी और फरवरी में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ अहम टेस्ट सीरीज तय होने के कारण, लीग के लिए पर्याप्त विंडो मिलना कठिन हो रहा था । यह मामला हितधारकों के साथ चर्चा के दौरान सामने आया, जिसके चलते लॉन्च को आगे बढ़ाया गया है । बोर्ड की चेयरपर्सन, डायना पुकेटापु-लिंडन ने इस बदलाव का समर्थन करते हुए कहा, हमारा प्राथमिक ध्यान यह तय करना है कि न्यूजीलैंड में घरेलू टी20 क्रिकेट का भविष्य बेहतर, प्रतिस्पर्धी और वैश्विक खेल के साथ जुड़ा हो । हम न्यूजीलैंड 20 के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और अब तक हुई प्रगति से उत्साहित हैं । अभी और समय लेने से यह तय करने में सहायता मिलेगी कि यह प्रतिस्पर्धा लंबे समय तक सफल रहे । वहीं मैकिनॉन ने कहा कि इस संशोधित लॉन्च विंडो से अंतत : प्रशंसकों को ही लाभ होगा । उन्होंने कहा, दिसंबर 2027 में लॉन्च करके, हम यह पक्का कर सकते हैं कि यह प्रतिस्पर्धा पहली ही गेंद से उम्मीदों पर सही साबित उतरे और प्रशंसकों, खिलाड़ियों और साझेदारों को वह अनुभव प्रदान करे जिसके वे अधिकारी हैं । हमारा लक्ष्य एक ऐसा टूर्नमिंट बनाना है जो शुरुआत से ही यादगार हो । बोर्ड इसके सफल आयोजन के लिए पूरा प्रयास कर रहा है ।

बीसीसीआई ने धीमी ओवर गति के लिए अक्षर पर जुर्माना लगाया

धर्मशाला । दिल्ली कैपिटल्स की टीम पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली जीत का जश्न मना भी नहीं पायी कि टीम के कप्तान अक्षर पटेल पर धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लग गया है । आईपीएल ने मंगलवार सुबह एक बयान जारी कर अक्षर पर जुर्माना लगाये जाने की पुष्टि की है । इस बयान में कहा गया, 'यह इस सत्र में उनकी टीम का पहला अपराध था, जो आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत आता है और न्यूनतम ओवर गति से संबंधित है । इसलिए अक्षर पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है ।'

इस मैच में दिल्ली ने 211 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दर्ज थी । दिल्ली ने 19वें ओवर में तीन विकेट से जीत हासिल की । यह इस सत्र में उनकी पांचवीं जीत है । इसके साथ ही टीम के 12 मैचों में 10 अंक हो गए हैं । इस जीत से कैपिटल्स अंक तालिका में एक स्थान के लाभ के साथ ही सातवें स्थान पर पहुंच गई है । अक्षर ने इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार अर्धशतक लगाया । कैपिटल्स से पहले भी इस सत्र में धीमी ओवर गति के लिए कई टीमों के कप्तानों पर जुर्माना लगा है ।

पंड्या की जगह पर बुमराह को कप्तान बनाये मुम्बई : मांजरेकर

मुम्बई । मुम्बई इंडियंस के आईपीएल के 19 सत्र से बाहर होने के बाद से ही टीम के कप्तान हार्दिक पंड्या प्रशंसकों के निशाने पर हैं । प्रशंसकों ने टीम के खराब प्रदर्शन को देखते हुए हार्दिक को कप्तानी से हटाने की मांगे की है । इस सत्र में मुम्बई इंडियंस केवल तीन ही मैच जीती है । पूर्व क्रिकेटर ओर कमेंटेटर संजय मांजरेकर ने किा है कि हार्दिक की जगह पर जसप्रीत बुमराह को कप्तान बनाया जाना चाहिये । मांजरेकर ने कहा कि फ्रेंचाइजी को अपने नेतृत्व पर पुनर्विचार करते हुए अनुभवी तेज गेंदबाज बुमराह को टीम की कप्तानी संभालने का अवसर देना चाहिये। मांजरेकर ने कहा कि मैं बुमराह को भारत की कप्तानी करते देखना चाहता हूं, क्योंकि मुझे नहीं लगता कि कोई भी खेल को उनके जितना बेहतर समझता है, उनकी गेंदबाजी में केवल एक्शन ही नहीं, बल्कि पूर्वानुमान, बल्लेबाज को पढ़ना, स्थिति को समझना और पिच को जानना भी शामिल है । उन्हें भारतीय टीम की कप्तानी तो नहीं मिली पर आईपीएल में जरुर मिलनी चाहिये। मांजरेकर ने कहा कि जब मुम्बई ने हार्दिक को शामिल किया था, तभी उन्हें कोच आशीष नेहरा को भी ले लेना चाहिये था । हार्दिक और नेहरा ने गुजरात टाइटंस में एक सफल साझेदारी बनाई थी। मांजरेकर के अनुसार उन्हें हार्दिक पांड्या के अलावा किसी और विकल्प पर भी विचार करना होगा क्योंकि उनकी कप्तानी सफल नहीं रही है। मांजरेकर के अनुसार टेस्ट कप्तान की तुलना में आईपीएल में कप्तानी करना बुमराह के लिए अपेक्षाकृत आसान होगा । इसका कारण है कि इसमें अधिक दबाव नहीं रहता है ।

बंगलादेश ने पाकिस्तान को 104 रन से हराया, नाहिद राणा ने झटके 5 विकेट

ढाका (एजेंसी)। तेज गेंदबाज नाहिद राणा के पांच विकेट की बदौलत बांग्लादेश ने मंगलवार को यहां पाकिस्तान के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के पांचवें और अंतिम दिन 104 रन से जीत हासिल की। बांग्लादेश के 268 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान 163 रन पर सिमट गया जिसमें नाहिद ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 40 रन देकर पांच विकेट चटकाए। चाय के बाद उन्होंने अपने तीन ओवर में पांच रन देकर सऊद शकील, मोहम्मद रिजवान और नोमान अली को आउट किया। तेज गेंदबाज तास्किन अहमद ने भी उनका अच्छा साथ निभाते हुए 40 रन पर दो विकेट चटकाए।

बांग्लादेश को पहली सफलता तास्किन ने दिलाई जब उन्होंने इमाम उल हक (02) को विकेटकीपर लिटन दास के हाथों कैच कराया। पदार्पण करने वाले दो खिलाड़ी सलामी बल्लेबाज अजान अवैस (15) और अब्दुल्ला फजल (66) ने दूसरे विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी की। ऑफ स्पिनर मेहदी हसन (47 रन पर एक विकेट) ने पहली पारी में शतक जड़ने वाले अवैस को बोल्ड करके इस साझेदारी को तोड़ा।

नाहिद ने कप्तान शान मसूद (02) को विकेट के पीछे कैच कराके पाकिस्तान का स्कोर तीन विकेट पर 68 रन किया। फजल ने सलमान आगा (26) के साथ पारी को संभाला लेकिन चाय के ब्रेक के बाद बांग्लादेश ने जल्दी-जल्दी दो विकेट लेकर वापसी की। बाएं हाथ के स्पिनर ताइजुल इस्लाम (22 रन पर दो विकेट) ने फजल को पगबाधा करके सलमान के साथ उनकी 51 रन की साझेदारी तोड़ी। तास्किन ने सलमान आउट करके पाकिस्तान का स्कोर पांच विकेट पर 121 रन किया। शकील (15) और रिजवान (15) ने पाकिस्तान की उम्मीद जगाई लेकिन नाहिद ने तीन ओवर में तीन विकेट लेकर बांग्लादेश को जीत की दहलीज पर पहुंचाया।

नाहिद ने शाहीन शाह अफरीदी (00) को महमूदुल हसन जॉय के हाथों कैच कराके बांग्लादेश को जीत दिलाई और अपने करियर में दूसरी बार पारी में पांच विकेट भी पूरे किए।

इससे पहले कप्तान नजमुल हुसैन शंटो के 87 रन की मदद से बांग्लादेश ने पाकिस्तान को जीत के लिए 268 रन का लक्ष्य दिया। बांग्लादेश ने दिन की शुरुआत तीन विकेट पर 152 रन से करने के बाद दूसरी पारी नौ विकेट पर 240 रन घोषित की। मेजबान टीम ने मुश्किल लक्ष्य देने के लिए आक्रामक रवैया दिखाया जिसमें शंटो ने शानदार प्रदर्शन किया।

हसन अली ने मुशफिकुर रहीम को आउट करके पाकिस्तान को शुरुआती सफलता दिलाई। शंटो ने इसके बाद मोर्चो संभाला और अपनी पारी में सात चौके लगाए। उन्हें बाएं हाथ के स्पिनर नोमान अली (76 रन पर तीन विकेट) ने पगबाधा किया। मेहदी हसन ने 24 रन बनाकर बढ़त को 250 रन के पार पहुंचाया। हसन अली (52 रन पर तीन विकेट) ने तास्किन को इमाम के हाथों कैच कराया जिसके बाद बांग्लादेश ने 76 ओवर बाकी रहते पारी घोषित कर दी। बांग्लादेश ने पहली पारी में 413 रन बनाए थे और फिर पाकिस्तान को 386 रन पर आउट करके 27 रन की बढ़त हासिल की थी। दूसरा टेस्ट शनिवार से सिल्टे में शुरू होगा।

विनेश को ट्रायल की अनुमति दिलाने साक्षी मलिक ने प्रधानमंत्री और खेल मंत्री से सहायता मांगी

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता महिला पहलवान साक्षी मलिक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से अपील करते हुए कहा है कि विनेश फोगाट को ट्रायल की अनुमति दिलाने के लिए वे हस्तक्षेप करें । साक्षी ने कहा कि विनेश को देश के लिए पदक जीतने और अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत बनने का अवसर मिलना चाहिए । साक्षी ने कहा कि विनेश को कुश्ती महासंघ वापसी के अवसर नहीं दे रहा है । महासंघ ने विनेश को ट्रायल के लिए अयोग्य घोषित कर दिया है । साक्षी ने स्वीकार किया कि वह कुछ दिनों से इस पर विचार कर रही थीं, क्योंकि विनेश एक राजनीतिक पार्टी से जुड़ी विधायक हैं जबकि उनका स्वयं किसी भी राजनीतिक दल से कोई संबंध नहीं है । अपने वीडियो में साक्षी ने अंतरराष्ट्रीय खेल संघों के उदाहरण दिए, जो महिला एथलीटों, विशेषकर मां बनने के बाद वापसी करने वाली खिलाड़ियों के लिए नियमों को लचीला बनाते हैं, जिससे वे खेल में बने रहें और अपने देश के लिए पदक जीत सकें । इसके विपरीत, साक्षी ने भारतीय कुश्ती महासंघ की आलोचना करते हुए कहा कि फेडरेशन ने दो दिन पहले ऐसे नियम लागू कर दिए हैं जो विनेश की वापसी को कठिन बनाते दिख रहे हैं । उन्होंने प्रधानमंत्री, खेल मंत्री और कुश्ती महासंघ से विनम्र निवेदन किया कि विनेश का ट्रायल लिया जाए । साक्षी का मानना है कि इससे विनेश न केवल देश का नाम रोशन करेंगी, बल्कि एक ऐसा प्रेरणादायक उदाहरण भी पेश करेंगी कि भारतीय महिलाएं मां बनने के बाद भी खेल के मैदान में लौटकर देश के लिए पदक जीत सकती हैं । गौरतलब है कि शनिवार को भारतीय कुश्ती महासंघ ने विनेश फोगाट को एक कारण बताओ नोटिस जारी किया था । डब्ल्यूएफआई ने विनेश पर अनुशासनहीनता और कथित तौर पर डोपिंग रोधी नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया है, जिसके लिए उनसे चार आरोपों पर जवाब मांगे गए हैं । महासंघ ने अपने आदेश में स्पष्ट किया है कि विनेश 26 जून 2026 तक किसी भी घरेलू टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएंगी ।

नीरज चोपड़ा की वापसी में देरी, सचिन यादव रोम में डायमंड लीग में करेंगे डेब्यू

रोम(एजेंसी)। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव 4 जून को प्रतिष्ठित एथलेटिक्स सीरीज़ के रोम चरण में डायमंड लीग में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। खास बात यह है कि इस मीट की एंट्री लिस्ट में ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा का नाम शामिल नहीं है। नीरज चोपड़ा, जो इस समय तुर्की में ट्रेनिंग और रिहैबिलिटेशन (चोट से उबरने का इलाज) कर रहे हैं, उन्होंने अभी तक अपना 2026 एथलेटिक्स सीजन शुरू नहीं किया है। उन्हें आखिरी बार सितंबर में टोक्यो में हुई विश्व चैंपियनशिप में एक्शन में देखा गया था, जहां उन्होंने पीठ की चोट के बावजूद मुकाबला किया था और निराशाजनक रूप से आठवें स्थान पर रहे थे।

नीरज की गैरमौजूदगी में, रोम में सभी की नज़रें सचिन यादव पर होंगी, जिन्हें पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के लिए आठ प्रतिस्पर्धियों में शामिल किया गया है। 26 वर्षीय सचिन पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय इवेंट में हिस्सा लेंगे। वह फाइनल में 86.27मी के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे थे और पदक जीतने से बाल-बाल चूक गए थे। उन्होंने पिछले साल एशियाई चैंपियनशिप में भी रजत पदक जीता था।

रोम 2026 डायमंड लीग में सचिन का मुकाबला कई दिग्गज खिलाड़ियों से होगा, जिनमें ग्रेनाडा के पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स, जर्मनी के जूलियन वेबर, रियो 2016 के चैंपियन जर्मनी के थॉमस रोहलर और टोक्यो 2020 के रजत पदक विजेता चेकिया के याकूब वाडलेज शामिल हैं। अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन, पोलैंड के डेविड वेगनर और श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरगे - जो इस समय दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी हैं - भी इस मुकाबले में शामिल होंगे।

सचिन यादव ने अप्रैल में नई दिल्ली में हुई इंडियन एथलेटिक्स सीरीज मीट के साथ घरेलू सर्किट पर अपना 2026 सीज़न पहले ही शुरू कर दिया है, जहां वह 81.95मी के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। हालांकि पुरुषों का भाला फेंक इवेंट भी 31 मई को मोरक्को में होने वाली रबात डायमंड लीग का हिस्सा होगा, लेकिन मोरक्को में होने वाली इस मीट के लिए एंट्री लिस्ट की घोषणा अभी तक नहीं की गई है।

दूसरी ओर, भारत की पारुल चौधरी, जिनके नाम महिलाओं की 3000मी, 5000मी और 3000मी स्टीपलचेज़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड हैं, 16 मई को शंघाई डायमंड लीग 2026 में स्टीपलचेज दौड़ में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं। यह भारतीय एथलीट अपनी तीसरी डायमंड लीग मीट में हिस्सा लेंगी। पारुल, जो मौजूदा एशियाई खेलों की 5000मी चैंपियन हैं, 2024 में यूजीन में 16वें स्थान पर रही थीं और पिछले साल दोहा में छठे स्थान पर आई थीं। शंघाई में उनका मुकाबला केन्या की मौजूदा विश्व चैंपियन फेथ चेरोटिछ, कज़ाकिस्तान की पूर्व विश्व चैंपियन नोराह जेरुतो और युगांडा की पूर्व ओलंपिक चैंपियन पेरुथ चेमुताई से होगा।

शंघाई मीट के साथ ही 2026 डायमंड लीग सीजन की शुरुआत भी हो जाएगी, क्योंकि दोहा लेग-जिसे मूल रूप से ओपनर के तौर पर रखा गया था-को 8 मई से बदलकर 19 जून कर दिया गया है। सचिन और पारुल दोनों ही आने वाली डायमंड लीग मीट और दुनिया भर के शीर्ष एथलीटों के साथ होने वाली प्रतिस्पर्धा का लाभ उठाकर, आगे आने वाले व्यस्त सीजन के लिए अपनी लय बनाने की कोशिश करेंगे; इस सीजन में 2026 के एशियाई खेल भी शामिल हैं।

शाहीन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 400 विकेट लेने वाले पाकिस्तान के नौवें गेंदबाज बने

मीरपुर । पाकिस्तान के मुख्य तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी ने यहां बांग्लादेश के खिलाफ खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में एक विकेट लेने के साथ ही अपने 400 अंतरराष्ट्रीय विकेट पूरे कर लिये हैं । शाहीन ये उपलब्धि अपने नाम करने वाले पाक के नौवें गेंदबाज बन गये हैं । एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है । इस मुकाबले के चौथे दिन शाहीन ने बांग्लादेशी बल्लेबाज मोमिनुल हक को आउट करते ही अपने 400 विकेट पूरे किये। वह आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में 100 विकेट पूरे करने वाले पहले पाकिस्तानी गेंदबाज बन गए हैं। अब उनके नाम डब्ल्यूटीसी में कुल 103 विकेट दर्ज हैं, जो उन्हें इस प्रतिष्ठित चैंपियनशिप में पाक की तरफ से सबसे सफल गेंदबाज बनाता है। इस सूची में नोमान अली 89 विकेट के साथ दूसरे और साजिद खान 63 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं । गौरतलब है कि शाहीन से पहले पाक के लिए आठ दिग्गज गेंदबाजों ने 400 या उससे अधिक अंतरराष्ट्रीय विकेट लिए हैं। इस विशिष्ट क्लब में शामिल होकर शाहीन ने अपनी जगह महानतम खिलाड़ियों की पंक्ति में बना ली है । पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में वसीम अकरम 916 विकेट के साथ नंबर एक पर हैं, उनके बाद वकार यूनिस 789, इमरान खान 544, शाहिद अफरीदी 538, सकलैन मुश्ताक 496, सईद अजमल 447, शोएब अख्तर 438 और उमर गुल 427 विकेट के साथ मौजूद हैं । शाहीन में 400 विकेट के साथ नौवें स्थान पर हैं । शाहीन ने अब तक 74 एकदिवसीय मैचों में 139 विकेट लिए हैं, जबकि 103 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में भी उन्होंने 136 विकेट हासिल किए हैं । इस गेंदबाज ने केवल 211 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 400 विकेट पूरे किए हैं ।